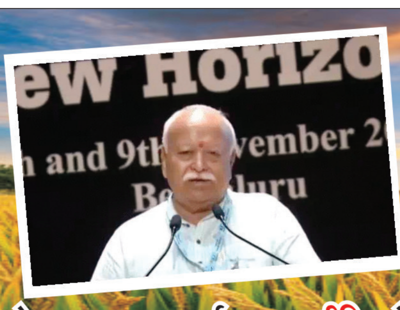

मोहन भागवत - कार्यक्रम नए क्षीतिज में

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी सामाहिक अखबार

सुविचार

इंसान की नियत अगर साफ नहीं हो तो, कितना भी बड़ा बनने की कोशिश करे, छोटा ही रहेगा।

वर्ष-16, अंक- 31 | कोरबा, शुक्रवार दिनांक 07 से 13 नवंबर 2025 | पृष्ठ-8, मूल्य-3/-

मोहन भागवत बोले- भारत में कोई अहिंदू नहीं : मुसलमानों-ईसाइयों के पूर्वज हिंदू, वे इसे भूले या भुला दिया गया, संघ सत्ता नहीं चाहता

भागवत ने कार्यक्रम '100 साल का संघः नए क्षितिज' को किया संबोधित

बेंगलुरु (एजेंसी)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत की आत्मा हिंदू संस्कृति है। संघ सत्ता के लिए नहीं, बल्कि समाज की सेवा और संगठन के लिए काम करता है।

भागवत ने यह बात बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम '100 साल का संघः नए क्षितिज' में कही। इस मौके पर आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और कई सामाजिक हस्तियां मौजूद थीं। इस दौरान भागवत ने कहा- भारत में सभी हिंदू है। यहां के सभी मुसलमान और ईसाई भी उन्हीं पूर्वजों के वंशज हैं। शायद वे भूल गए हैं या उन्हें भुला दिया गया है। भारत में कोई अहिंदू नहीं है।

भागवत ने कहा- संघ सत्ता या प्रमुखता नहीं चाहता। संघ का उद्देश्य सिर्फ एक है कि समाज को संगठित कर भारत माता की महिमा बढ़ाना। पहले लोग इस बात पर विश्वास नहीं करते थे, लेकिन अब करते हैं।

भागवत ने कहा- भारत को ब्रिटिशों ने नहीं बनाया, यह प्राचीन राष्ट्र है- हमारा राष्ट्र ब्रिटिशों की देन नहीं है। हम सदियों से एक राष्ट्र हैं। दुनिया के हर देश की एक मूल संस्कृति होती है। भारत की मूल संस्कृति क्या है? कोई भी परिभाषा दें, वह आखिर में 'हिंदू' शब्द पर ही पहुंचती है।

हिंदू होना मतलब भारत के प्रति जिम्मेदारी लेना- भारत में कोई 'अहिंदू' नहीं है। हर व्यक्ति चाहे जाने या न जाने, भारतीय संस्कृति का पालन करता है। इसलिए हर हिंदू को यह समझना चाहिए कि हिंदू होना मतलब भारत के प्रति जिम्मेदारी लेना है।

भारत एक हिंदू राष्ट्र होना संविधान के खिलाफ नहीं- भारत का हिंदू राष्ट्र होना किसी बात के विरोध में नहीं है। यह हमारे संविधान के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके अनुरूप है। संघ का लक्ष्य समाज को जोड़ना है, तोड़ना नहीं।

संघ ने विरोध झेला, लेकिन रुका नहीं- संघ के 100 साल पूरे होने तक का सफर आसान नहीं रहा। संघ पर दो बार प्रतिबंध लगा, तीसरी बार कोशिश हुई। स्वयंसेवकों की हत्या हुई, हमला हुआ, लेकिन संघ के कार्यकर्ता बिना स्वार्थ के काम करते रहे।

संघ हर गांव और हर वर्ग तक पहुंचेगा- संघ का लक्ष्य अब हर गांव, हर जाति और हर वर्ग तक पहुंचना है। दुनिया हमें विविधता में देखती है, लेकिन हमारे लिए यह विविधता एकता की सजावट है। हमें हर विविधता तक पहुंचना है और समाज को एक सूत्र में जोड़ना है।

मोहन भागवत ने 7 नवंबर को नागपुर में कहा कि समाज सिर्फ कानूनों से नहीं चलता। उसे मजबूत बनाने के लिए लोगों में संवेदनशीलता, अपनी संस्कृति से जुड़ाव और एक-दूसरे के प्रति अपनापन होना जरूरी है। यही बातें समाज में आपसी भाईचारा बढ़ाती हैं।

भागवत ने कहा कि लोगों के दिलों में एक-दूसरे के प्रति अपनापन होना चाहिए और यह भावना सच्चे मन से महसूस होनी चाहिए। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने अंदर की संवेदनशीलता को हमेशा जागरूक और जीवित रखें।

6.7 तीव्रता भूकंप के झटकों से दहला जापान, इवाते में सुनामी अलर्ट जारी

टोकियो (एजेंसी)।

जापान के उत्तर-पूर्वी इलाके में शनिवार शाम 6.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिसके बाद अधिकारियों ने इवाते प्रीफेक्चर के तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (JMA) के अनुसार, यह भूकंप शाम 5 बजे के बाद इवाते के तट से दूर समुद्र में आया। झटके इवाते और पड़ोसी मियागी प्रीफेक्चर में तेज़ी से महसूस किए गए, जिनकी तीव्रता जापान के 0 से 7 के भूकंपीय पैमाने पर 4 दर्ज की गई। अधिकारियों ने तटीय इलाकों के लोगों से समुद्र तट से दूर रहने और ऊँचाई वाले स्थानों पर जाने की अपील की है। अभी तक किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है, लेकिन प्रशासन समुद्र के जलस्तर और आफ्टरशॉक्स (भूकंप के बाद आने वाले झटकों) पर नजर बनाए हुए है। ट्रेन सेवाओं को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है और स्थानीय प्रशासन ने अपने आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र (Emergency Response Centers) सक्रिय कर दिए हैं ताकि हालात का आकलन किया जा सके। जापान, जो प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में स्थित है, अक्सर भूकंप और सुनामी का सामना करता है। इस भूकंप ने लोगों को 2011 के भयानक पूर्वी जापान भूकंप और सुनामी की याद दिला दी, जिसने भारी तबाही मचाई थी और फुकुशिमा परमाणु संकट को जन्म दिया था। फिलहाल, JMA इवाते के तटीय क्षेत्रों के लिए चेतावनी जारी रखते हुए भूकंप की गहराई और संभावित झटकों का विश्लेषण कर रही है।

डिजिटल गोल्ड खरीदने वाले सावधान!

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय बाजार नियामक SEBI ने डिजिटल गोल्ड में निवेश करने वालों को सतर्क रहने की सलाह दी है। SEBI ने कहा है कि कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ऐसे डिजिटल गोल्ड और ई-गोल्ड प्रोडक्ट बेच रहे हैं, जो उसके नियामक दायरे में नहीं आते। इसका मतलब है कि अगर कोई कंपनी डिफॉल्ट करती है या कोई गड़बड़ी होती है, तो निवेशकों को किसी तरह की सुरक्षा नहीं मिलेगी।

कई बड़ी कंपनियां जैसे Tanishq, MMTC PAMP, Aditya Birla Capital, Caratlane, PhonePe आदि डिजिटल गोल्ड का ऑफर देती हैं। उदाहरण के तौर पर Tanishq अपनी वेबसाइट पर कहता है कि ग्राहक सिर्फ 100 रुपए से निवेश शुरू कर सकते हैं और किसी भी समय इसे रिडीम कर सकते हैं। वहीं MMTC PAMP इसे डिजिटल गोल्ड का लीडर बताता है और इसे आसान और सुविधाजनक निवेश विकल्प के रूप में प्रमोट करता है।

SEBI का कहना है कि ये ब्रांड चाहे कितने भी भरोसेमंद क्यों न हों, अगर कोई डिफॉल्ट होता है तो निवेशकों को कोई सुरक्षा नहीं मिलेगी क्योंकि ये रेगुलेटेड निवेश नहीं हैं। SEBI ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे सिर्फ रेगुलेटेड गोल्ड प्रोडक्ट्स में ही निवेश करें, जैसे गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ETFs), इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (EGRs) और एक्सचेंज ट्रेडेड कमोडिटी कॉन्ट्रैक्ट्स। ये सभी SEBI के नियमों के तहत आते हैं और SEBI-रजिस्टर्ड इंटरमीडियरीज के जरिए खरीदे जा सकते हैं।

आईएसआई के तीन आतंकी गिरफ्तार

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात एटीएस ने आतंकी गतिविधियों में शामिल तीन लोगों को अहमदाबाद के अडालज से गिरफ्तार किया है। एटीएस ने रविवार सुबह तीनों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला है कि तीनों आईएसआईएस के लिए काम कर रहे थे। गिरफ्तार किए गए दो आरोपी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं, जबकि तीसरा हैदराबाद का निवासी है। तीनों यूपी से गुजरात के अडालज पहुंचे थे। इनके पास से तीन पिस्तौल, 30 कारतूस, भारी मात्रा में केमिकल बरामद किया गया है।

देश को बांटने की कोशिश कर रहे भाजपा, आरएसएस - राहुल गांधी

पटना/किशनगंज (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि देश को बांटने का प्रयास कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा और देश को जोड़ने का संकल्प लिए हुए 'इंडिया गठबंधन की विचारधारा के बीच इस समय सीधी लड़ाई है। बिहार के किशनगंज में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हम नफरत के बाज़ार में मोहब्बत की दुकान खोलना चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी जी के खून में नफरत है, लेकिन मेरे खून में देश को एकजुट करने का जज्बा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस समाज में डर व घृणा का माहौल बनाकर राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, वे चाहते हैं कि लोग एक-दूसरे से डरें, नफरत करें, ताकि वे सत्ता में बने रहें।

गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधते हुए कहा वह बिहार आकर कहते हैं कि यहां उद्योग लगाने के लिए जमीन नहीं है। लेकिन जब अदाणी की बात आती है, तो उन्हें जमीन दी जाती है। बिहार में एक भी फूड प्रोसेसिंग यूनिट नहीं है, जबकि यहां के किसानों के पास अपार संभावनाएं हैं।

कांग्रेस नेता ने बिहार की गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य कभी ज्ञान और शिक्षा का केंद्र था। उन्होंने कहा, नालंदा विश्वविद्यालय दुनिया का सबसे बड़ा और प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान था, जहां विदेश से विद्यार्थी पढ़ने आते थे। आज उसी बिहार को बेरोजगारी, गरीबी और पलायन के लिए जाना जाता है, जो अत्यंत दुखद है। गांधी ने कहा कि भाजपा सरकार के नौ वर्ष के शासनकाल में केवल कुछ उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का काम हुआ है, जबकि आम जनता की स्थिति लगातार खराब हुई है।

उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि सबका साथ, सबका विकास, लेकिन सच्चाई यह है कि उनका पूरा ध्यान कुछ गिने-चुने लोगों के विकास पर है। गांधी ने दावा किया कि बिहार की जनता इस बार भाजपा और राजग को करारा जवाब देगी और इंडिया गठबंधन को भारी समर्थन मिलेगा। गांधी ने कहा, बिहार के लोग समझ चुके हैं कि विकास केवल नारों से नहीं, नीयत और नीतियों से होता है। गांधी बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले कई जिलों में प्रचार कर रहे हैं। मंच पर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सभा में भारी भीड़ उमड़ी और गांधी के भाषण के दौरान इंडिया जीतेगा और नफरत छोड़ो, मोहब्बत से जोड़ो के नारे लगते रहे।

बिहार विधानसभा चुनाव : दूसरे चरण का चुनाव प्रचार खत्म, 11 नवंबर को 122 सीटों पर होगा मतदान

बिहार में 122 विधानसभा सीटों पर दूसरे और अंतिम चरण में 11 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए रविवार शाम प्रचार का शोर थम गया और अब प्रत्याशी जनसम्पर्क के जरिए वोट जुटाने में लग गये हैं। दूसरे और अंतिम चरण के चुनाव में राष्ट्रीय जनतंत्रिक गठबंधन (NDA) से जिन दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है, उनमें पूर्व उप मुख्यमंत्री रेणु देवी, पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, बिजेन्द्र प्रसाद यादव,डा. प्रेम कुमार, नीरज कुमार सिंह, लेशी सिंह,नीतीश मिश्रा, सुनील कुमार पिंटू, सुमित कुमार सिंह, जयंत राज, विजय कुमार मंडल,मोहम्मद जमा खान,प्रमोद कुमार, कृष्ण नंदन पासवान,कृष्ण कुमार ऋषि, शीला मंडल, महाबली सिंह, दुलालचंद गोस्वामी, श्रेयसी सिंह, राजू तिवारी, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा की पत्नी स्नेह लता, अनिल कुमार, हिदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के अध्यक्ष जीतन राम मांझी की बहू दीपा कुमारी और समधन ज्योति देवी समेत अन्य शामिल हैं।

इसी तरह महागठबंधन से पूर्व विधान सभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री जय प्रकाश नारायण यादव, पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा, बिहार विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, अब्दुल जलील मस्तान, बीमा भारती, कौशल यादव, पूर्णिमा यादव,राजेश राम, अजीत शर्मा, समेत अन्य की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुयी है। इन सबके साथ ही ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलिमीन (एआईएमआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अख्तरुल ईमान भी दूसरे दौर के चुनावी अखाड़े में जोर आजमाइश के लिए उतरे हैं। दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान का सामान्य समय सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक रहेगा। सुरक्षा कारणों से कटोरिया (सुरक्षित) के 121 मतदान केन्द्र, बेलहर के 140 मतदान केन्द्र, चैनपुर, चेनारी (सुरक्षित) के 62 मतदान केन्द्र, गोह के 25 मतदान केन्द्र, नवीनगर के 26 मतदान केन्द्र, कुटुंबा (सुरक्षित) के 169 मतदान केन्द्र,औरंगाबाद के 57 मतदान केन्द्र, रफीगंज के 125 मतदान केन्द्र, गुरूआ के 12 मतदान केन्द्र, शेरघाटी के 48 मतदान केन्द्र, इमामगंज (सुरक्षित) के 361 मतदान केन्द्र, बाराचट्टी (सुरक्षित) के 36 मतदान केन्द्र, बोधगया (सुरक्षित) के 20 मतदान केन्द्र, रजौली (सुरक्षित), गोविंदपुर और जमुई जिले की सभी चार सीटें सिकंदरा (सुरक्षित), जमुई, झाझा और चकाई में मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक ही चलेगा।

11 नवंबर को 122 सीटों पर होगा मतदान

इन 122 विधानसभा क्षेत्रों के मतदान में 11 नवंबर को 45399 मतदान केंद्र पर तीन करोड़ 70 लाख 13 हजार 556 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर 136 महिला और 1165 पुरुष प्रत्याशी और एक अन्य समेत कुल 1302 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में बंद कर देंगे। मतदाताओं में एक करोड़ 95 लाख 44 हजार 41 पुरुष, एक करोड़ 74 लाख 68 हजार 572 महिला और 943 थर्ड जेंडर शामिल हैं। दूसरे चरण के चुनाव में सबसे अधिक 22 उम्मीदवार चैनपुर, सासाराम और गया टाउन में वहीं लौरिया, चनपटिया, रक्सौल, सुगौली, त्रिवेणीगंज और बनमंखी में सबसे कम पांच प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा की 243 सीटों में से 121 सीटों पर प्रथम चरण के तहत 06 नवंबर को चुनाव संपन्न हो गया है।बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान में मतदाताओं ने 65.08 प्रतिशत मतदान दर्ज कर राज्य के चुनावी इतिहास में एक नया कीर्तिमान बनाया है।

भारतीय वायुसेना का 93वां स्थापना दिवस:ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर लचित घाट पर 75 विमानों का फ्लाइंग डिस्प्ले, राफेल, सुखोई, तेजस ने बनाए 25 फॉर्मेशन

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना के 93वें स्थापना दिवस पर नॉर्दर्न कमांड गुवाहाटी में पहला एयर शो हुआ। वायुसेना के एयर वॉरियर्स ने ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर लचित घाट पर 25 से ज्यादा फॉर्मेशन बनाए। इसके लिए राफेल, सुखोई, तेजस समेत 75 से ज्यादा प्लेन और हेलिकॉप्टरों ने फ्लाइंग डिस्प्ले किया। इस साल वायुसेना दिवस की थीम अचूक, अभेद्य और सटीक है।

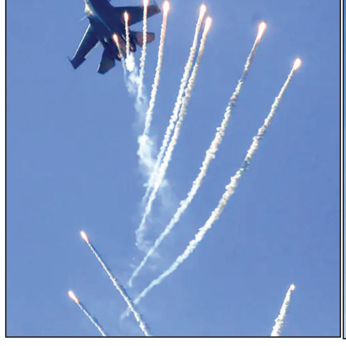

मोदी बोले- उत्तराखंड का असली परिचय आध्यात्मिक शक्ति:दुनिया की स्पिरिचुअल कैपिटल के रूप में स्थापित हो सकते हैं, 8140 करोड़ की योजनाएं शुरू कीं

देहरादून (एजेंसी)।

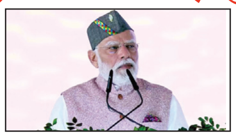

इसके बाद उन्होंने सभी उत्तराखंडियों को राज्य गठन के 25 साल पूरे होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा- तीर्थाटन और बरामासी पर्यटन उत्तराखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, राज्य का असली परिचय उसकी आध्यात्मिक शक्ति है। ये दुनिया की स्पिरिचुअल कैपिटल के रूप में स्थापित हो सकता है। पीएम ने मंच से बटन दबाकर 8140 करोड़ की योजनाएं भी शुरू कीं। उन्होंने कहा कि कई बार इस राज्य के विकास पर ब्रेक लगा है, लेकिन हमने सुनिश्चित किया है कि ये ब्रेक ना लगे। अगस्त 2014 के बाद 30वीं बार उत्तराखंड पहुंचे मोदी से पहले मंच को संबोधित करते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उनकी जमकर तारीफ की, मंच से ही उन्होंने एक कविता पढ़कर पीएम को राष्ट्रऋषि बताया। पीएम मोदी ने 25 वर्षों से सफर से जुड़ी शॉर्ट फिल्म देखी।

बालको प्रबंधन द्वारा जबर्रदस्ती आवासों को खाली कराने का मामला: भाजपा ने खोला मोर्चा

हितानंद ने बालको को चेताया, कहा- प्रबंधन हठधर्मिता छोड़े, नहीं तो बड़ा आंदोलन

कोरबा/बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भाजपा बालको नगर मंडल ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं एमआईसी सदस्य हितानंद अग्रवाल के साथ नगर वासियों की मौजूदगी में बालको प्रबंधन को सेक्टर 5 आवासीय क्षेत्र को खाली न कराए जाने, खाली करने का कारण बताने एवं जमीन से संबंधित जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने के संबंध में पत्र दिया। बालको एक्सटर्नल अफेयर के हेड कुशाग्र कुमार ने सभी पदाधिकारियों से मुलाकात कर मेंटेनेंस ऑफिस के परिसर में ज्ञापन लिया।

भाजपा नगर मंडल बालको ने पत्र में लिखा कि बीते कुछ दिनों से बालको प्रबंधन द्वारा यह कहते हुए क्वार्टर खाली कराए जा रहा है कि भवनों में रचनात्मक स्थिरता एवं सुरक्षा जोखिम उत्पन्न हो गया है। इस कार्यवाही से बालको नगर क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों में भय असुरक्षा एवं दहशत का माहौल बन गया है। यह क्षेत्र केवल कर्मचारियों का आवास स्थल नहीं बल्कि एक सजीव सामाजिक एवं पारिवारिक इकाई है, जहां वर्षों से नागरिक अपने बच्चों की शिक्षा, आजीविका और सामाजिक जीवन के साथ बसे हुए हैं। अचानक क्वार्टर खाली करने की प्रक्रिया न केवल मानवीय दृष्टि से असंवेदनशील है बल्कि क्षेत्रीय शांति व्यवस्था के लिए भी चुनौती पूर्ण बन रही है। इससे हमारा स्पष्ट मत है कि बालको वेदांता प्रबंधन द्वारा सेक्टर 5 के पुराने क्वार्टरों को संरचनात्मक और स्थिरता एवं सुरक्षा जोखिमों का हवाला देकर खाली करने के निर्देश जारी किए जा रहे हैं। इस विषय में यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि उक्त क्वार्टर राज्य शासन की भूमि पर निर्मित है, जो उद्योग स्थापना के लिए राज्य शासन द्वारा कंपनी को आवंटित किया गया था। क्या इसे तोड़कर नया आवासीय परिसर बनाया जाएगा? यदि आवासीय परिसर बनाया जाता है, तो राज्य शासन से स्वीकृति ली गई है एवं उसका नक्शा तैयार किया गया है, तो हमें छायाप्रति उपलब्ध कराएं। यदि इस आवासीय परिसर को तोड़कर आप राज्य शासन को वापस करने की स्थिति में हैं, तो इस संबंध में आपके द्वारा पत्राचार किया गया हो तो उसके दस्तावेज उपलब्ध कराएं। सेक्टर 5 के निवासियों को बेघर ना किया जाए। सेक्टर 5 में निवासरत लोगों ने अपने सीमित संसाधनों एवं व्यक्तिगत व्यय से क्वार्टरों की मरम्मत कर संरचनात्मक स्थिरता सुनिश्चित की है, जिससे अब कोई सुरक्षा जोखिम शेष नहीं है। अतः

प्रशासन एवं कंपनी प्रबंधन से आग्रह है कि जनता की भावना का सम्मान करते हुए इन आवासों को तोड़ने का निर्णय तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। यदि बालको वेदांत द्वारा संरचनात्मक स्थिरता अथवा सुरक्षा जोखिम को लेकर वास्तविक चिंता व्यक्त की जा रही है, तो ऐसे निवासरत परिवारों से शपथ पत्र के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि वह अपने आवास में निवास हेतु स्वविवेक एवं स्वयं की जिम्मेदारी पर रह रहे हैं। ऐसी स्थिति में उक्त क्वार्टरों को खाली करना आवश्यक नहीं है। यदि बालको प्रबंधन द्वारा इस विषय पर शीघ्र संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई तो भाजपा बालको मंडल जनप्रतिनिधियों एवं जनता के साथ मिलकर लोकतांत्रिक एवं आंदोलनात्मक कदम उठाने को बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। इस दौरान भाजपा बालको नगर मंडल के मंडल अध्यक्ष डीलेंद्र यादव, महामंत्री जय नंद राठौर, महामंत्री संपत यादव, महिला मंडल अध्यक्ष अर्चना रुणीझा, मंत्री रेणु प्रसाद, मंत्री राजा शर्मा, अनीता वैष्णव, मंजू ठाकुर, मनजीत कौर, पिंटू झा एवं अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

वर्ल्ड कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा सत्यवंशी ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री

रायपुर (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ मेरी जन्मभूमि और कर्मभूमि है। यहीं की मिट्टी, यहां के लोग, यहां की शिक्षा और संस्कारों ने मुझे यह मुकाम हासिल करने की ताकत दी है।यह कहना था विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट और छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी का, जिन्होंने आज मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य मुलाकात कर अपनी खुशियां साझा कीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आकांक्षा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपकी सफलता पूरे छत्तीसगढ़ की सफलता है। महिला क्रिकेट टीम के वर्ल्ड कप अभियान में छत्तीसगढ़ की बेटी के शामिल होने से प्रदेशवासियों को यह महसूस हुआ कि हम सभी इस जीत में सहभागी हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आकांक्षा को मेडल पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आकांक्षा सत्यवंशी की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि आपने यह सिद्ध कर दिया है कि छत्तीसगढ़ की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। आपकी सफलता आने वाली पीढ़ियों की बेटियों को प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल, शिक्षा और कौशल विकास के अवसरों को विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि और भी युवा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल अलंकरण सम्मान को पुन: प्रारंभ कर रही है। साथ ही, ओलंपिक में शामिल होने वाले और पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को विशेष प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सुदूर अंचलों की खेल प्रतिभाओं को मंच देने के लिए 'बस्तर ओलंपिक' जैसे आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य अपने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिसके लिए कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा सत्यवंशी ने मुख्यमंत्री के साथ इस ऐतिहासिक जीत की खुशी साझा करते हुए कहा, वर्ल्ड कप जीतना भारतीय महिला टीम की सफलता के साथ ही छत्तीसगढ़ का भी सम्मान है। मुझे गर्व है कि मैं अपने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए इस जीत में योगदान दे पाई। उन्होंने बताया कि यद्यपि वे मैदान में सक्रिय खिलाड़ी के रूप में नहीं थीं, लेकिन खिलाड़ियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, फिटनेस और रिकवरी को बनाए रखने की जिम्मेदारी उनकी रही।मैं अपनी टीम के साथ हमेशा चट्टान की तरह खड़ी रही। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं टीम को जीत तक पहुंचाने की यात्रा में साथ रही।

आकांक्षा ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यदि लक्ष्य सच्चा हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता — बस ज़रूरत है निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास की।

इस अवसर पर आकांक्षा ने मुख्यमंत्री को भारतीय महिला टीम की जर्सी भेंट की और वर्ल्ड कप अभियान की कुछ रोचक यादें साझा कीं।

नियमित दिनचर्या, संयमित खानपान और योग — फिट रहने का मंत्र

फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा ने मुख्यमंत्री के साथ खिलाड़ियों की फिटनेस पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ महिला क्रिकेट टीम की मुलाकात का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा कहते हंत कि खेल जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए, और यह हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। फिटनेस को लेकर उनकी सीख हर किसी को स्वस्थ और ऊर्जावान जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है।

आकांक्षा ने मुख्यमंत्री से उनके फिटनेस का रहस्य पूछा, जिस पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा — हम सभी प्रधानमंत्री से प्रेरित हैं। उनकी सक्रियता, ऊर्जा और अनुशासन से हम सीखते हैं। संतुलित आहार, योग और नियमित दिनचर्या ही फिट रहने का मेरा मंत्र है।

उल्लखेनीय है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की वर्ल्ड कप जीत में छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी बतौर फिजियोथेरेपिस्ट और स्पोर्ट्स साइंस विशेषज्ञ टीम के साथ रहीं और खिलाड़ियों की फिटनेस व मानसिक मजबूती को बनाए रखने में अहम योगदान दिया। आकांक्षा सत्यवंशी ने बतौर फिजियोथेरेपिस्ट और स्पोर्ट्स साइंस एक्सपर्ट, भारतीय टीम का हिस्सा बनकर खिलाड़ियों की फिटनेस, रिकवरी और प्रदर्शन को सर्वोच्च स्तर पर बनाए रखने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

इस उपलब्धि को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने आकांक्षा को 10 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान करने की घोषणा की है।

दुर्ग में जन्मी आकांक्षा का परिवार रायपुर में निवासरत है, जबकि उनका पैतृक गांव कवर्धा है। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा और फिजियोथेरेपी में बैचलर की पढ़ाई छत्तीसगढ़ में पूरी की, जबकि मास्टर्स डिग्री कटक से प्राप्त की। पढ़ाई के दौरान ही उनका झुकाव खेल और फिजियो साइंस के प्रति स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था।

साल 2019 में आकांक्षा ने छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट टीम (ष्टस्ष्टस्) के साथ बतौर फिजियोथेरेपिस्ट अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की। केवल छह वर्षों के छोटे से सफर में उन्होंने अपने समर्पण, मेहनत और प्रोफेशनलिज़्म के बल पर राष्ट्रीय खेल जगत में विशेष पहचान बनाई। साल 2022 में उन्हें भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम के साथ वर्ल्ड कप अभियान में शामिल किया गया।इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों की फिटनेस मैनेजमेंट, रिकवरी सेशन, मानसिक दृढ़ता और ऊर्जा संतुलन पर विशेष ध्यान दिया, जिसके परिणामस्वरूप टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।

छत्तीसगढ़ में जैव ईंधन के उत्पादन में 3,500 करोड़ रुपये का निवेश!

सीबीडीए द्वारा बायोफ्यूल एक्सपो तथा सेमीनार का आयोजन

रायपुर (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण द्वारा राजधानी रायपुर में बायोफ्यूल एण्ड बायो एनर्जी एक्सपो का आयोजन 7 से 9 नवंबर तक स्थानीय श्रीराम बिजेनस पार्क में किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल रोडमैप विजन 2024-29 पर आयोजित सेमीनार में बायोफ्यूल तकनीक पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण के सीईओ सुमित सरकार ने छत्तीसगढ़ की जैव ईंधन रोडमैप की चर्चा करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य को बायोफ्यूल के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की पहल की जा रही है।

सीईओ सुमित सरकार ने बताया कि छत्तीसगढ़ में निजी कंपनियों ने छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2024-2030 के अनुरूप, लगभग 3,500 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। गेल और बीपीसीएल जैसी ओजीएमसी ने विभिन्न यूएलबी में 8 एमएसडब्ल्यू/बायोमास आधारित संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ओएनजीसी ग्रीन और एचपीसीएल ग्रीन वर्तमान में सीबीजी उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने के लिए विभिन्न स्थानों का सर्वेक्षण कर रही हैं।

राज्य में चावल, मक्का और चने के अवशेषों का उपयोग करके बायोएथेनॉल और कम्प्रेस्ड बायोगैस बनाने के लिए फीडस्टॉक-आधारित परीक्षण किया जा रहा हैं। इसके साथ ही कृषि अपशिष्ट को सब्सट्रेट के रूप में उपयोग करके एंजाइम उत्पादन परीक्षण और नए माइक्रोबियल स्ट्रेन का संवर्धन हो रहा है। उन्होंने बताया कि बायो-विमानन ईंधन के क्षेत्र में सीबीडीए अब बायोमास-आधारित हाइड्रोजन के उत्पादन की तैयारी कर रहा है, जिसका उपयोग बाद में हाइड्रोप्रोसेस्ड एस्टर और फैटी एसिड तकनीक के माध्यम से एसएएफ उत्पादन के लिए किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में अधिशेष चावल को प्राथमिक फीडस्टॉक के रूप में उपयोग करके बायोएथेनॉल उत्पादन के लिए पहले ही एक मानक संचालन प्रक्रिया विकसित कर ली है। हाल ही में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई), कानपुर के सहयोग से, सीबीडीए बायोफ्यूल कॉम्प्लेक्स स्थल, ग्राम गोढ़ी, जिला दुर्ग में एक वैकल्पिक फीडस्टॉक स्थापित करने के लिए चुकंदर की खेती पर परीक्षण शुरू किया है। अगला कदम इथेनॉल उत्पादन के लिए इसकी क्षमता का परीक्षण करना है, जिससे भारत के 20 प्रतिशत मिश्रण लक्ष्य और उससे आगे की उपलब्धि में सहायता मिलेगी, जिससे इस पहल की निरंतर सफलता सुनिश्चित होगी।

इस सेमीनार में गैल के सीजीएम मोहम्मद नजीब कुरैशी और डीजीएम जितेन्द्र पाण्डेय ने छत्तीसगढ़ में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन के पाइप लाईन नेटवर्क के बारे में जानकारी दी। बीपीसीएल के डीजीएम संजय ठाकुर ने छत्तीसगढ़ में कम्प्रेस बायोगैस की संभावनाओं के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। इसी प्रकार रिलायंस इंडस्ट्रीज के डीजीएम सुशील वर्मा ने धान से कम्प्रेस बायोगैस उत्पादन के बारे में जानकारी दी।

इसी प्रकार आरईवीवाय के इन्वारमेंटल साल्यूशन प्रा.लि. के फाउंडर डायरेक्टर डॉ. वनिता प्रसाद ने बायोगेस प्लांट के संचालन, एट्रीएम इनोवेशन प्रा.लि. पुणे के डायरेक्टर राजेश दाते ने एनोरोबिक काम्पोस्टिंग सिस्टम, इंग्रोटेक एक्का इंजीनियर्स प्रा.लि. संबलपुर के मैनेजिंग डायरेक्टर सुकांत कुमार मेहेर ने एसटीपी प्लांट से कम्प्रेस बायोगैस की उत्पादन की संभावनाओं और एईसी एग्रीटेक प्रा.लि. के सीईओ जितेन्द्र नारायण ने कम्प्रेस बायोगैस पॉलिसी, प्रोक्योरमेंट और प्राइसिंग के बारे में जानकारी दी।

एसआईआर : शुरूआती 5 दिनों में करीब 30 लाख मतदाताओं तक पहुंचे बीएलओ, गणना प्रपत्र वितरित

रायपुर (दिव्य आकाश)।

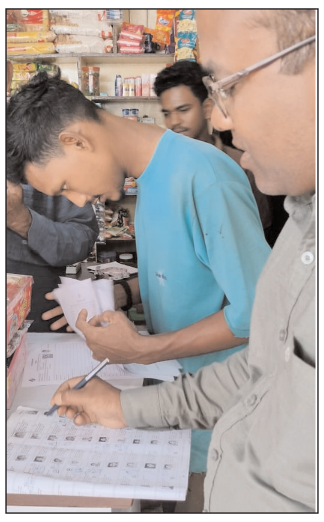

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) का काम जोरों पर है। विगत 4 नवम्बर को इसकी शुरूआत के बाद से बीएलओ प्रारंभिक पांच दिनों (4 नवम्बर से 8 नवम्बर तक) में करीब 30 लाख मतदाताओं तक पहुंचकर गणना प्रपत्र वितरित कर चुके हैं। राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर जाकर बीएलओ गणना प्रपत्र और घोषणा प्रपत्र देने के साथ ही आवश्यक दस्तावेज भी संकलित कर रहे हैं। राज्य में पंजीकृत दो करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 मतदाताओं में से अब तक 29 लाख 29 हजार 125 मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं जो कि लक्ष्य का 14 प्रतिशत है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा मतदान केंद्र स्तर पर एसआईआर के कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।

एसआईआर के लिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बीएलओ सक्रियता से मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं। राज्य शासन के मुख्य सचिव विकास शील के घर भी उनके मतदान केंद्र के बूथ लेवल अधिकारी ने गणना प्रपत्र देकर आवश्यक दस्तावेज संकलित किए। बीएलओ ने नवा रायपुर स्थित उनके शासकीय आवास जाकर प्रारूप-08 और घोषणा प्रपत्र (Annexure y) प्रदान किया।

मुख्य सचिव विकास शील को अधिकारियों ने इस दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया एवं आवश्यक विवरण की जानकारी दी। टीम ने गणना प्रपत्र में आवश्यक जानकारी भरकर उसे पूर्ण रूप से संकलित किया। मुख्य सचिव विकास शील ने सभी पात्र नागरिकों से एसआईआर में सक्रिय भागीदारी और सहयोग करने की अपील की है।

एसआईआर के अंतर्गत बीएलओ रायपुर में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-50 (रायपुर उत्तर) के देवेन्द्र नगर में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार के भी घर पहुंचे और उन्हें गणना प्रपत्र व घोषणा प्रपत्र देकर आवश्यक जानकारी संकलित की।

कैप्सूल वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत:दूसरा घायल, जांजगीर-चांपा में ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर चक्का जाम किया

जांजगीर-चांपा।

जांजगीर-चांपा जिले के नरियरा गांव में 9 नवंबर की सुबह एक तेज रफ्तार कैप्सूल वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। यह घटना मुलमुला थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, नरियरा निवासी अतुल साहू अपने एक साथी के साथ बाइक पर जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कैप्सूल वाहन ने लापरवाही से चलाते हुए उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर गए।हादसे में अतुल साहू की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उनके साथी को गंभीर हालत में स्थानीय लोगों की मदद से बिलासपुर रेफर किया गया है।

भागवत दीवान बने दर्री प्रेस क्लब के कार्यवाहक अध्यक्ष

कोरबा/दर्री (दिव्य आकाश)।

रविवार को दर्री प्रेस क्लब की सामान्य सभा आयोजित की गई, जिसमें पत्रकार भागवत दीवान को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। बैठक में कार्यकारिणी संगठनात्मक निर्णयों पर चर्चा की गई। दर्री प्रेस क्लब के अध्यक्ष अनिल द्विवेदी गत दिनों जश्न रिसोर्ट में प्रसिद्ध गायिका एवं कलाकार सपना चौधरी के कार्यक्रम में तोड़फोड़ के आरोप में फरार है, जिसके कारण संगठनात्मक कार्यों में बाधा आ रही है। विचार विमर्श के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि कार्यकारिणी संगठनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सुचारू रूप से कार्य करने की जरूरत है। जिसके लिए पत्रकार भागवत दीवान को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त करते हुए कार्यभार सौंपा जाता है। दर्री प्रेस क्लब के सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए भागवत दीवान को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया।

कार्यवाहक अध्यक्ष का कार्यकाल आवश्यकता अनुसार बढ़ाया भी जा सकेगा इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने भागवत दीवान को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी।

कार्यभार ग्रहण करते हुए कार्यवाहक अध्यक्ष भागवत दीवान ने कहा कि वह प्रेस क्लब की गरिमा और संगठनात्मक एकता को बनाए रखते हुए सभी सदस्यों के साथ मिलकर पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ कार्य करेंगे। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा की पत्रकारिता की नैतिकता को बनाए रखना सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करने और प्रेस की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए कार्य किया जाएगा। इस दौरान संरक्षक सुधीर जैन, बालकृष्ण मिश्रा, प्रदीप कुमार मिश्रा, श्रीधर नायडू, मनिंद्रपाल निंमजा, अजय राय, राजेश यादव, अशोक अग्रवाल, संतोष गुप्ता, विकास तिवारी समेत दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे।

शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार में कोरबा जनसंपर्क विभाग अव्वल

जनसंपर्क आयुक्त रवि मित्तल ने की सराहना

कोरबा (दिव्य आकाश)।

प्रशस्ति पत्र
जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़
श्री कमल ज्योति जाहिरे, सहायक संचालक, जिला जनसंपर्क कार्यालय, कोरबा
द्वारा शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों पर आधारित लिखित लेख/सफलता की कहानी/खींचे गए फोटो का प्रकाशन मीडिया के समस्त प्लेटफार्म में हुआ है, जिससे छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। आपके सराहनीय योगदान के लिए जनसंपर्क संचालनालय द्वारा सम्मान यह प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।
उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं सहित....
आयुक्त
जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़
रायपुर

राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकासपरक कार्यों के प्रभावी प्रचार-प्रसार में जिला जनसंपर्क कार्यालय कोरबा ने प्रदेशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर संचालनालय स्तर से प्राप्त रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया कि कोरबा जिले ने सक्सेस स्टोरी और जियोग्राफिकल कवरेज के क्षेत्र में अन्य जिलों की तुलना में दोगुनी उपलब्धि हासिल की है।

जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा राज्य शासन की योजनाओं से जुड़ी प्रेरक सफलता की कहानियों, विकास कार्यों और जनहितकारी पहलुओं को आमजन तक पहुँचाने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया है। इस उपलब्धि के लिए जनसंपर्क आयुक्त रवि मित्तल ने विभाग की सराहना करते हुए जिला जनसंपर्क अधिकारी कमलज्योति को प्रशस्ति पत्र प्रेषित किया है। राज्य स्तरीय अधिकारियों ने कहा कि कोरबा जिले की जनसंपर्क टीम ने जिस तत्परता और रचनात्मकता से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया है, वह अन्य जिलों के लिए प्रेरणास्रोत है। निरंतर नवाचार और जनसंपर्क के आधुनिक माध्यमों के प्रभावी उपयोग से विभाग ने अपनी कार्यकुशलता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

लोकतंत्र की सशक्त नींव है सक्रिय मतदाता - हर्षिता पांडेय

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रवाद और लोकतंत्र की सशक्त धारा को आगे बढ़ाने वाली भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार द्वारा देशभर में निर्वाचन मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में भाजपा जिला कोरबा के कार्यकर्ताओं को इस जनहितकारी प्रक्रिया से जोड़ने और इसके तकनीकी पहलुओं से अवगत कराने के उद्देश्य से एक कार्यशाला का आयोजन जिला भाजपा कार्यालय, टी.पी. नगर कोरबा में किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश मंत्री श्रीमती हर्षिता पांडेय एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने की।

श्रीमती हर्षिता पांडेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पारदर्शी, सशक्त और सहभागी लोकतंत्र की दिशा में कार्य कर रही है। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।

यह अभियान केवल संगठनात्मक नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता को इस अभियान में पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता राष्ट्रसेवा की भावना से प्रेरित होकर लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने में अपना योगदान दे रहा है। मतदाता सूची पुनरीक्षण केवल तकनीकी कार्य नहीं, बल्कि यह राष्ट्रनिर्माण की दिशा में हर नागरिक को जोड़ने का अभियान है।

कार्यशाला में जिलेभर से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर एम.आई.सी.सदस्य हितानंद अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष मंजू सिंह, रुकमणी नायर, जिला मीडिया प्रभारी अर्जुन गुप्ता, योगेश मिश्रा, डिलेन्द्र यादव, परविंदर सिंह, रामशंकर साहू, राहुल नवनीत शुक्ला, उत्तम जायसवाल (रीपू), सूरज पांडेय, प्रदीप सिंह, प्रमीला सागर, सुकेश दलाल, नवीन जायसवाल, राजेन्द्र राजपूत, विजय गुप्ता सहित भाजपा कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

शुभता का संदेश : विकास अग्रवाल ने कहा कि छोटी-छोटी खुशियां हनुमान मंदिर में कराएं, ताकि मंदिर सक्षम बने और शुभता के संदेश का विस्तार हो...।

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 07 से 13 नवंबर 2025

अगले बरस से छठ पूजा की तर्ज पर मनेगा सामुहिक तीजा पर्व

तुलसीनगर कोरबा के हनुमान मंदिर प्रांगण में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विकास अग्रवाल ने कहा कि 2014-15 से 2024-25 तक मैं और मेरी धर्मपत्नी श्रीमती आरती अग्रवाल इस वार्ड के पार्षद थे और अब पूर्व पार्षद रहने के बाद भी आपका और हमारा संबंध यूं ही बरकरार रहेगा और मैं इस मंच से घोषणा करता हूं कि तुलसी नगर छठ घाट में जिस तरह से दिव्यता और भव्यता के साथ छठ पूजा की परंपरा बढ़ी है, ठीक उसी ढंग से इस हनुमान मंदिर प्रांगण की पुण्य धरा में अगले बरस से तीजा पर्व भी भव्य और दिव्यता के साथ मनाया जाएगा। राम भक्त हनुमान भी माताओं को आशीर्वाद देंगे और तीजा का महत्व और भी बढ़ जाएगा। अपनी संतान के लिए माताएं तीजा में निर्जला उपवास करती हैं, अब इस पर्व को सामुहिक रूप से इस प्रांगण में मनाया जाएगा, तो भगवान शिव - पार्वती का आशीर्वाद मिलने के साथ संतानों को हनुमान जी का भी आशीर्वाद मिलेगा। हनुमान बल और बुद्धि के देवता हैं, इससे बच्चों में संस्कार और पुण्य प्रताप भी बढ़ेगा।

कार्तिक पूर्णिमा पर राजिम स्नान कर लौटे तीर्थयात्रियों का सम्मान किया आरती, विकास अग्रवाल ने

अतिथि विकास अग्रवाल, आरती अग्रवाल, मथुरा बाई चंद्रा ने किया सम्मान

पार्षद श्रीमती चंद्रा के नेतृत्व में वार्ड-3 साकेत नगर के तुलसीनगर से 150 तीर्थयात्री गए थे राजिम स्नान को

कोरबा (दिव्य आकाश)।

नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र.-3 साकेत नगर में अब निर्दलीय पार्षद श्रीमती मथुरा बाई चंद्रा हैं, लेकिन विकास अग्रवाल अपने वार्ड के लोगों के प्रति आज भी पूर्व की भांति लगाव और वार्ड विकास के प्रति लगन देखने को मिला। छोटे-छोटे अवसरों में भी वे वार्डवासियों के साथ जहां खुशियां मनाते दिख जाते हैं, वहीं लोगों के हर सुख-दुख में शामिल होकर अपने वार्डवासियों का हौसला बढ़ाते हैं। अगहन कृष्ण पक्ष प्रथमा दिन गुरूवार 06 नवम्बर की देर शाम 8.00 बजे तुलसीनगर हनुमान मंदिर का प्रांगण खचाखच भरा था। 8.30 बजे विकास अग्रवाल अपनी धर्मपत्नी श्रीमती आरती अग्रवाल के साथ हनुमान मंदिर पहुंचे। कुछ देर में कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। आतिथ्य स्वीकार करने के बाद विकास अग्रवाल, आरती अग्रवाल, मथुरा चंद्रा, मनमोहन पाण्डेय के साथ मंच पर विराजमान हुए। अवसर था राजिम स्नान कर लौटे तीर्थयात्रियों का सम्मान।

ट्रिपल इंजन से होगा वार्ड का विकास

विकास अग्रवाल ने अपने लोगों से मन की बात करते हुए कहा कि चुनाव में प्रतिनिधि बदलते रहते हैं। चुनाव में हार-जीत लगी रहती है। हम सब एक हैं और जो जीता वे हमारे प्रतिनिधि। हालांकि अभी हमारे पार्षद हैं श्रीमती मथुरा बाई चंद्रा, लेकिन हम आज भी इस वार्ड को और अधिक विकसित बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस बार ट्रिपल इंजन से विकास होगा। पार्षद मथुरा चंद्रा, आरती और मैं, हम सब मिलकर वार्ड विकास के लिए प्रयास करेंगे, ताकि पूरे निगम क्षेत्र में यह वार्ड मॉडल के रूप में ही जाना जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि 2014 से लेकर 2024-25 तक मैं और मेरी धर्मपत्नी आरती अग्रवाल ने वार्ड विकास के लिए हर संभव प्रयास किया और मुझे खुशी है कि पूरे नगर निगम क्षेत्र में सबसे अधिक पिछड़ा और स्लम बस्ती वाला वार्ड साकेत नगर पूरे नगर निगम क्षेत्र में मॉडल के रूप में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हुआ।

खुशियों का डेरा बना हनुमान मंदिर

तुलसीनगर में हनुमान मंदिर आज खुशियों का डेरा बन गया है। इस मोहल्ले के लोग हर खुशियों में इसी पुण्य स्थल को चुनते हैं। विकास अग्रवाल-आरती अग्रवाल ने अपने कार्यकाल में मंदिर प्रांगण में डोम सहित अन्य संसाधन उपलब्ध कराए थे और अब यह मंदिर परिसर लोगों को खुशियां बांट रहा है। विकास अग्रवाल ने कहा कि रामभक्त हनुमान सबकी रक्षा करता है और यहां पूजा-पाठ से लोगों का जीवन खुशहाल बनता है। यहां की खुशहाली बढ़ाने के लिए उन्होंने लोगों से अपील की- कि जो भी छोटे-मोटे कार्यक्रम हों, इसी परिसर में सम्पन्न कराएं और यहां की मंदिर समिति को और सक्षम बनाएं।

माईक हाथ में लिए और कहा - मैं सभी तीर्थयात्रियों को प्रणाम करता हूं। कार्तिक पूर्णिमा को पूण्य स्नान करने से आत्मा जहां पुष्ट होती है, वहीं घर में समृद्धि आती है। मेरे वार्ड से तीर्थयात्रा का यह पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, आगामी वर्षों में इसे और वृहद किया जाएगा और तीर्थयात्रा रवाना होने से एक माह पूर्व ही इसकी तैयारी की जाएगी और स्थल चयन किया जाएगा और बढ़ी हुई सुविधा के साथ तीर्थयात्रा कराई जाएगी।

पांच साल में बचे हुए घर बनेंगे पक्के छत वाले

विकास अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 में गरीबों की झोपड़ियां अब पक्की छत वाली बनेंगी और हमारे वार्ड में अब इस योजना के तहत कोई भी झोपड़ी, झोपड़ी नहीं रहेगी और सबको पक्की छत मिलेगी। ट्रिपल इंजन से इसे हम संभव करेंगे।

आत्मानंद हायर सेकेंडरी स्कूल के लिए होगा प्रयास

तुलसीनगर में अभी 5वीं तक कक्षाएं संचालित हो रही हैं, हम इसके उन्नयन के लिए प्रयास कर रहे हैं। हम प्रयास कर रहे हैं कि इस वार्ड में आत्मानंद विद्यालय खुले, ताकि क्षेत्र की स्लम बस्तियों में अच्छी शिक्षा मिल सके और गरीब बच्चे भी बड़े अफसर बन सकें।

इन तीर्थयात्रियों का किया गया सम्मान

मोहन पाण्डेय/श्रीमती शकुंतला, पूजा सोनी/सुषमा सोनी, दुर्गा रजक/पुष्पा रजक, संध्या साहू/भानू साहू, रमेश ठाकुर/गायत्री ठाकुर, सुरेश साहू/संतोषी साहू/आंचल, होरीलाल जायसवाल/पुष्पा देवी, भागमनी, सावत्री यादव, जगदिशिया पटेल, संतकुमार गुप्ता, लोकनाथ साहू/चंद्रिका साहू, दीपा पाण्डेय, रूक्मणी पाण्डेय, दुवास राम साहू/सुंद्रिका साह, प्रिया साहू/ज्योति/पिंकी/दुर्गा, गंगोत्री साहू/उमेश साहू, रामबाई साहू/केवल प्रसाद, महेन्द्र निर्मलकर/जूली, जवाहर निर्मलकर/कैलाश्वरी, राजेश्वरी निर्मलकर/दीनानाथ, जयशंकर प्रसाद साहू/लक्ष्मी, मिनीबाई साहू, कृष्णा बाई यादव, नीरा जायसवाल, यशोदा/योगेन्द्र चौहान, सुनीता गुप्ता, बबीता निर्मलकर, रेवती बाई, कमला बाई जायसवाल, सागर बाई, छाया यादव, गणेश बाई, प्रेमलाल/नरेश बाई, करा बाई, कमला बाई, सम्मत गुप्ता/श्रीमती गुप्ता, अरूण अग्रवाल/शिखा अग्रवाल, दीपक अग्रवाल/मंजू अग्रवाल, जानकी महराजीन, रिंकू गुप्ता, भुवनेश्वरी/आरती, राजेश्वरी, नवधा दास, मनोज गुप्ता/रिंकू गुप्ता, माला सिन्हा/सुषमा, मीना, जोगेन्द्र, रामकुमार, गंगोत्री/चंद्रिका रजक, उषा यादव, पिन बाई चंद्रा, भागीरथी चंद्रा/उर्मिला चंद्रा, मथुरा चंद्रा/रामप्रकाश चंद्रा, क्रांति, साहेबलाल, पटेल गुरूजी, मीना चंद्रा/मंजू चंद्रा, शांति, गीता विश्वकर्मा/गायत्री, पिंकी निर्मलकर, हीरालाल केशरवानी/विमला केशरवानी, रविन्द्र शर्मा, दिलेश्वरी बाई, संतोषी यादव, पीतर, श्रीमती मजूमदार, दिलेश्वरी खूंटे, सुलोचनी गुप्ता सहित अन्य तीर्थयात्री एवं उनके परिवार शामिल हुए।

पार्षद मथुरा चंद्रा के नेतृत्व में तीर्थयात्रा

साकेत नगर वार्ड की मुखिया पार्षद मुथुरा चंद्रा के नेतृत्व में 150 के लगभग तीर्थयात्री राजिम स्नान कर सकुशल लौटे और सभी का सम्मान किया गया।

दिखा जीवन का उल्लास

अवसर छोटा हो या बड़ा, विकास अग्रवाल लोगों की अधरों पर मुस्कान बिखेरने के लिए बहाना ढूंढ ही लेते हैं, ताकि लोगों के जीवन में रंग भरे। भले ही खुशियां कुछ पलों का हो, लेकिन सामुहिक खुशियों से जीवन के क्षण यादगार बन जाते हैं। तीर्थयात्रियों का सम्मान समारोह दो-ढाई घंटे चले, लेकिन यह समारोह वार्डवासियों के लिए यादगार बन गया। सभी का सम्मान होने के बाद उपस्थित जनों ने सामुहिक रूप से प्रसाद (भोजन) ग्रहण किया। सम्मान समारोह में तीर्थयात्रियों को घरेलू उपयोग की सामग्री दी गई और सम्मान किया गया। सम्मान पा कर तीर्थयात्री खुश दिखाई दे रहे थे। विकास अग्रवाल लोगों को भोजन परोसते देखे गए।

पार्षद मथुरा ने कहा-सभी के आशीर्वाद से आपकी सेविका बनी हूं

पार्षद मथुरा चंद्रा ने कहा कि आप सभी ने हमें आशीर्वाद दिया और पार्षद बनाया। मैं आपकी सेविका बन कर विकास भैय्या के मार्गदर्शन में काम करूंगी और मेरा प्रयास रहेगा कि वार्ड का समुचित विकास और आगे बढ़े और सभी को बुनियादी सुविधाएं मुहैय्या हो। स्लम बस्ती में आत्मानंद विद्यालय की स्थापना हो, यह मेरी भी इच्छा है, ताकि गरीब बच्चों को भी बेहतर शिक्षा मिल सके। हम विकास भैय्या के मार्गदर्शन में इसके लिए प्रयास करेंगे। वार्ड विकास में आप सभी की भागीदारी भी होनी चाहिए।

सुविचार

दम्भः जो लोग कहते हैं, मुझे किसी की जरूरत नहीं है। ये दुनिया है... यहां वक्त आने पर मिट्टी की भी जरूरत पड़ती है।

राजनीति

बिहार चुनाव का परिणाम केन्द्रीय राजनीति की दिशा तय करेगी

बिहार में एनडीए और इंडि के बीच सीधा मुकाबला है, वहीं अपने आपको चुनाव रणनीतिकार कहने वाले पीके (प्रशांत किशोर) इस चुनाव में वोट कटवा ही साबित होंगे। इंडि गठबंधन में आरजेडी 143, कांग्रेस 60, माकपा (माले) 20 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं एनडीए गठबंधन में भाजपा और जेडीयू 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, वहीं चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी 29 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। चिराग पासवान की पार्टी के चार उम्मीदवार के नामांकन पहले ही रद्द हो गए हैं। इस चुनाव में प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज ने भी पूरी ताकत झोंक दी है और पीके ने दावा किया है कि वह 150 सीटों पर जीत रहे हैं। रूझान में कहा गया है कि एनडीए को लगभग 155 से 163 सीट मिल सकती है। बिहार चुनाव तीन अस्मिताओं का चुनाव माना जा रहा है। 14 नवम्बर को सभी के सवालों का जवाब मिल जाएगा कि बिहार इस बार किसका होगा। यह तय माना जा रहा है कि बिहार चुनाव का परिणाम केन्द्रीय राजनीति को भी प्रभावित कर सकता है। 243 सीटों वाला बिहार विधानसभा चुनाव कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सर्वे के अनुसार भाजपा यहां सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी। सर्वे में नीतिश कुमार को घाटा होते दिखाया गया है। वैसे एनडीए-इंडि गठबंधन अपना-अपना दावा कर रहे हैं कि हम सरकार बनाने जा रहे हैं। अभी एक चरण का मतदान सम्पन्न हुआ है और दूसरे चरण का मतदान 11 नवम्बर को होगा। 14 नवम्बर को जब परिणाम सामने होगा कि किसी की अस्मिता बची और किसकी तार-तार हो गई। नवजात... जन सुराज की बढ़त होगी या फिर जन्म के साथ पार्टी के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह। तेजस्वी की घोषणा पर या फिर मोदी की गारंटी पर जनता की मुहर लगेगी।

-संपादक

1962 के युद्ध में सामूहिक बलिदान को समर्पित एक श्रद्धांजलि है

फिल्ममेकर फरहान अख्तर हाल ही में रजत शर्मा के आइकॉनिक शो आप की अदालत में नज़र आए, जहां उन्होंने अपनी आने वाली वॉर ड्रामा फिल्म 120 बहादुर को लेकर चल रही चर्चा पर बात की। यह फिल्म, जो रेजांग ला की ऐतिहासिक लड़ाई पर आधारित है इस बात को लेकर चर्चा में है कि क्या यह मेजर शैतान सिंह भाटी की बहादुरी पर केंद्रित है या फिर 1962 के भारत-चीन युद्ध में लड़ी अहीर कंपनी की सामूहिक वीरता को दिखाती है।

जब रजत शर्मा ने उनसे पूछा, समाज की तरफ़ से शिकायत आई थी कि फिल्म में फोकस सिर्फ मेजर शैतान सिंह भाटी पर किया गया है और बाकी 120 बहादुर सैनिकों को नज़रअंदाज़ किया गया है, तो फरहान अख्तर ने बातें साफ करते हुए और भरोसे के साथ जवाब दिया।

उन्होंने कहा, सर, मेरा जवाब हमेशा यही रहा है कि अगर मैं सिर्फ मेजर शैतान सिंह भाटी पर फिल्म बनाना चाहता, तो इसका नाम 'शैतान सिंह' रख देता। वो सबसे आसान बात होती। तब किसी को कोई विवाद नहीं होता, सब कहते कि शैतान सिंह जी पर फिल्म बन रही है। लेकिन ये फिल्म पूरी कंपनी के बारे में है। इसलिए इसका नाम हमने '120 बहादुर' रखा है। क्योंकि उस युद्ध को जीतने में बाकी जवानों का योगदान भी उतना ही बड़ा था जितना उनका।

फरहान ने हाल ही में रिलीज़ हुए ट्रेलर का ज़िक्र करते हुए एक दमदार डायलॉग के बारे में बताया, जो अहिर सैनिकों की भावना को बखूबी दिखाता है। अहिर हैं हम, प्यार से मांगोगे तो जान भी दे देंगे, लेकिन देश पर बात आई तो एक तो क्या, सौ की जान ले भी लेंगे। फिल्ममेकर ने ज़ोर देकर कहा कि 120 बहादुर किसी एक हीरो की बायोपिक नहीं है, बल्कि यह सामूहिक बलिदान को समर्पित एक श्रद्धांजलि है, जो हर उस सैनिक का सम्मान करती है जिसने बर्फ से जमी उस जंग के मैदान में अटल हिम्मत के साथ डटकर मुकाबला किया।

120 बहादुर 13 कुमाऊं रेजीमेंट के 120 भारतीय सैनिकों की अद्भुत बहादुरी को दिखाती है, जिन्होंने 1962 के युद्ध में प्रसिद्ध रेजांग ला की लड़ाई में अटूट हिम्मत के साथ जंग लड़ी। फरहान अख्तर इस फिल्म में मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी का किरदार निभा रहे हैं, वो निडर नेता हैं, जिन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर भारी मुश्किलों के बीच भारत के सैन्य इतिहास का सबसे वीर अध्याय लिखा था। ऐसे बता दें कि इस फिल्म के दिल में एक दमदार पंक्ति गूंजती है: हम पीछे नहीं हटेंगे। यह पंक्ति अडिग संकल्प और अटूट देशभक्ति को दर्शाती है।

120 बहादुर का निर्देशन रजनीश रेज़ी घई ने किया है और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़) ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। एजेंसी।

विकलांगता और सामाजिक सरोकार

मुझे मेरी क्षमताओं से जानो

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥

> प्रकृति ने सभी पर समान उपकार किया है, लेकिन हमारी नासमझ ने दिव्यांगों को कमजोर कर दिया है। हमें इस सोच को बदलना होगी। आज दिव्यांग देश की शान बढ़ा रहे हैं। हमारे आसपास भी दिव्यांग प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं, सिर्फ उन्हें प्रोत्साहन और प्लेटफार्म की आवश्यकता है।

देश की शान दिव्यांग शीतल देवी

दिव्यांगता का सामाजिक मॉडल कहता है कि दिव्यांगता, व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक स्थिति के बजाय समाज द्वारा बनाई गई बाधाओं के कारण होती है। सामाजिक सरोकार का मतलब है दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति समाज के दृष्टिकोण को सुधारना, उन्हें दया के बजाय अधिकार और समान अवसर देना और सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक बाधाओं को दूर करना, ताकि वे गरिमापूर्ण और आत्मनिर्भर जीवन जी सकें। दिव्यांगता के सामाजिक मॉडल की मुख्य बाधाएँ समाज की है। यह मॉडल मानता है कि दिव्यांगता केवल व्यक्ति की समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और भौतिक बाधाओं का परिणाम है, जो समाज द्वारा समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और भौतिक बाधाओं का परिणाम है, जो समाज द्वारा बनाई जाती है। उदाहरण: शारीरिक बाधाओं में सुलभता की कमी (जैसे रैंप या लिफ्ट न होना) शामिल हैं, जबकि सामाजिक बाधाओं में यह रूढ़िवादी सोच शामिल है कि दिव्यांग लोग कुछ काम नहीं कर सकते या उन्हें केवल 'खैरात' की आवश्यकता होती है, ताकि वे गरिमापूर्ण और आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।

नकारात्मक प्रभाव

दिव्यांगता के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण सामाजिक बहिष्कार, अलगाव और अवसाद को जन्म दे सकता है। सामाजिक सरोकार के पहलू सामाजिक न्याय दिव्यांग लोगों को व्यवस्थित रूप से हाशिए पर धकेलने के बजाय, उन्हें समान अवसर और न्याय दिलाना समाज कार्य का मूल सिद्धांत है।

अधिकारों पर जोर

दिव्यांग व्यक्तियों को दया या दान का पात्र मानने के बजाय, उनके अधिकारों को मान्यता देना और उन्हें सशक्त बनाना महत्वपूर्ण है।

समान भागीदारी

उन्हें अपने जीवन से जुड़े निर्णयों में भाग लेने की अनुमति देना और यह सुनिश्चित करना कि वे सामाजिक सेवाओं और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं का हिस्सा बनें।

सकारात्मक दृष्टिकोण

समाज में जागरूकता बढ़ाकर दिव्यांगता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना और यह समझाना कि दिव्यांगता जीवन की कमजोरी नहीं है। दिव्यांगता केवल एक हिस्सा है, न कि पूरा जीवन।

समान अवसर

शिक्षा और रोजगार के समान अवसर प्रदान करके उन्हें राष्ट्रीय विकास में योगदान देने में सक्षम बनाना, जो अन्यथा अर्थव्यवस्था के लिए एक नुकसान है, दिव्यांगता और सामाजिक सरोकार का संबंध यह है कि समाज में दिव्यांग व्यक्तियों को शारीरिक, सामाजिक और दृष्टिकोण संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जो उनके समावेशन को बाधित करती हैं। इसका समाधान सामाजिक सरोकार के माध्यम से किया जा सकता है, जिसमें समाज के दृष्टिकोण को सकारात्मक बनाना, बाधाओं को दूर करना और दिव्यांग व्यक्तियों को समान अवसर और न्याय प्रदान करना शामिल है। दिव्यांगता को एक सामाजिक समस्या के रूप में देखना, न कि केवल एक चिकित्सा समस्या के रूप में, इस दिशा में पहला कदम है दिव्यांगता के सामाजिक पहलू।

बाधाओं का सामना

दिव्यांग व्यक्तियों को अक्सर शारीरिक (जैसे दुर्गम वातावरण) और सामाजिक (जैसे में देखना, न कि केवल एक चिकित्सा समस्या के रूप में, इस दिशा में पहला कदम है दिव्यांगता के सामाजिक पहलू, बाधाओं का सामना: दिव्यांग व्यक्तियों को अक्सर शारीरिक (जैसे दुर्गम वातावरण) और सामाजिक (जैसे भेदभावपूर्ण रवैया) बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

नकारात्मक दृष्टिकोण

दिव्यांगता के प्रति नकारात्मक सामाजिक दृष्टिकोण व्यक्तियों को शक्तिहीन बना सकता है और सामाजिक बहिष्कार की ओर ले जा सकता है।

सामाजिक बहिष्कार और अलगाव

नकारात्मक रवैया और बाधाएं दिव्यांग व्यक्तियों को अलगाव की ओर धकेल सकती हैं। सामाजिक सरोकार और समाधान सामाजिक मॉडल अपनाना: दिव्यांगता को व्यक्ति की अक्षमता के बजाय समाज में मौजूद बाधाओं के कारण उत्पन्न होने वाली समस्या के रूप में देखना।

सकारात्मक दृष्टिकोण

एक स्वस्थ समाज को दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

समानता और न्याय

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समान अवसर और न्याय सुनिश्चित करना सामाजिक कार्य का मूल है।

नीतियों में सुधार

गैर-भेदभावपूर्ण कानूनों, नीतियों और प्रथाओं की वकालत करना जो दिव्यांग व्यक्तियों की भलाई को बढ़ावा देते हैं।

सशक्तिकरण

दिव्यांग व्यक्तियों को उनके जीवन के बारे में निर्णय लेने में शामिल करना और उन्हें सशक्त बनाना।

सामाजिक भागीदारी

समाज में उनकी भागीदारी को सक्षम बनाने के लिए सामाजिक सुरक्षा और अन्य सहायक तंत्रों को मजबूत करना।

व्यावहारिक उदाहरण सुलभ वातावरण

इमारतों में सुलभ शौचालयों का निर्माण करना।

सहायता और समर्थन

सीखने में कठिनाई का सामना कर रहे व्यक्ति को स्वतंत्र रूप से जीवन जीने के लिए किराया चुकाने जैसी वित्तीय सहायता प्रदान करना।

मानसिक समर्थन

यह समझाना की दिव्यांग व्यक्ति भी सामान्य मनुष्य की तरह खुशी, दुख और अन्य भावनाएं महसुस करते हैं।

रौशनी के शहर में अंधेरे मकान देखे हैं
बिन आंखों के तुमसे कहीं ज्यादा, आसमाँ देखे हैं।
तुमने बस इस जहां को देख कर मिटा ली है अपनी बेचैनियां
हमने उंगलियां फेर कर किताब पर कई जहां देखे हैं
में हर बात बोल लेता हूं इशारों से अपने
जैसे दरिया बात करती है किनारों से अपने
तुम चीख कर भी खुदा तक पहुंच नही पाते
मेरा मौन बात करता है सितारों से अपने
हम बोल नहीं पाते मगर एक हुनर रखते हैं।
होंठो की हरकत से इंसान परख लेते हैं।
हमने ना देखे कत्लों गम, और फरेबी सूरतें
हमने तो छूकर ज़ख्म के गहरे निशाँ देखे हैं।
देखो उसके सामने तो सारा आसमाँ पड़ा है
मगर परिंदे की ज़िद है बिन पंखों के उड़ा है
ये मेरी तुम्हारी हार जीत का मसला नहीं है
कामयाब वही है, जो बिन पैरों के खड़ा है
वजूद की लड़ाई में, तुमसे रहम की गुहार क्यो
तुमने तो सड़कों पे अधूरे भगवान फेंके हैं।
बिन आंखों के तुमसे कहीं ज्यादा, आसमाँ देखे हैं
जो तुम लाए हो दिलासा वो मुँडेर पर सजा दो
मेरे हौंसलों को आँधियों से लड़ने की सलाह दो
उम्मीद के, हसरतों के, नए ख्वाबों के अखबार में
मेरे नाम की खबर बने कोई ऐसी भी वज़ह दो
हम चल रहे है तुम्हारे साथ कदम दर कदम
हमने तुम्हारे बाग के सारे गुलाब देखे हैं
बिन आंखों के तुमसे कहीं ज्यादा, आसमां देखे हैं।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

लाख पालन बना ग्रामीण समृद्धि का आधार

छत्तीसगढ़ में पलाश पेड़ों की भरमार है। पलाश पेड़ जिसे छत्तीसगढ़ी में परसा कहा जाता है, वो खेतों के मेड़ों में अक्सर पाए जाते हैं। इसके बावजूद इसका कोई व्यावसायिक उपयोग नहीं हो पा रहा था। परंतु अब मनेंद्रगढ़ वनमंडल ने इस दिशा में एक अनूठी पहल की है। पलाश के पेड़ लाख पालन के लिए अत्यंत उपयुक्त होते हैं क्योंकि इनमें रंगीनी लाख का पालन किया जा सकता है। अगर इन पलाश के पेड़ों का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह किसानों को खेती के अलावा अतिरिक्त आय का साधन प्रदान कर सकता है।

लाख पालन से बदलती ग्रामीण अर्थव्यवस्था

मनेंद्रगढ़ जिले के गांवों में पलाश पेड़ों की पर्याप्त उपलब्धता है। यहां पूर्व में लाख पालन कार्य होता रहा है, लेकिन समय के साथ मौसम की प्रतिकूलता और वैज्ञानिक पद्धतियों के अभाव में यह कार्य बंद हो गया था। ग्रामीणों से चर्चा करने पर ग्राम भौता, नारायणपुर, छिपछिपी और बुंदेली के कृषकों ने लाख पालन के प्रति गहरी उत्सुकता दिखाई। इस उत्साह को देखते हुए अक्टूबर-नवंबर 2023-24 में पहली बार भौता समिति के अंतर्गत भौता, नारायणपुर, छिपछिपी और बुंदेली गांवों में तथा जनकपुर के चांटी और जरडोल गांव के आसपास के क्षेत्रों में 34 कृषकों को 2.54 क्विंटल लाख बीहन (बीज) वितरित किए गए, जिनका 276 पेड़ों में संचरण कराया गया। इसके पश्चात जून-जुलाई 2024-25 में भौता और बेलबहरा समितियों के तीन ग्रामों में 0.74 क्विंटल बीहन 4 कृषकों के 80 पेड़ों में लगवाया गया।

जिले की हर गांव में फैल रही लाख की लहर

अक्टूबर 2024-25 में 5 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों ने भौता, बेलबहरा, माड़ीसरई, जनकपुर और जनुवा के अंतर्गत 9 ग्रामों के 126 कृषकों ने 3117 पलाश पेड़ों में बीहन लाख का संचरण किया। इसके बाद जुलाई 2025 में 10 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के 27 ग्रामों के 205 कृषकों द्वारा 2037 पलाश पेड़ों में 25.50 क्विंटल बीहन लाख का संचरण किया गया, जिसमें से 20.45 क्विंटल बीहन लाख जिले के ही कृषकों द्वारा उत्पादित किया गया, जबकि शेष 4.05 क्विंटल बलरामपुर से लाया गया। अक्टूबर 2025 तक यह प्रयास और बड़ा रूप ले चुका था, अब 37 ग्रामों के 400 कृषकों ने कुल 6 हजार पेड़ों में 60 क्विंटल बीहन लाख का संचरण किया। गौर करने योग्य बात यह है कि इस बार संपूर्ण बीहन लाख का उत्पादन मनेंद्रगढ़ के ही किसानों ने किया।

मनेंद्रगढ़ बनेगा छत्तीसगढ़ का लाख हब

इस अभियान का लक्ष्य हर वर्ष उत्पादन को तीन गुना बढ़ाना है, जिससे अगले वर्ष तक यह पूरे जिले में फैल जाएगा। लाख पालन की सबसे बड़ी चुनौती बीहन लाख की उपलब्धता होती है, क्योंकि इसे दूसरे क्षेत्रों से लाकर लगाना कठिन कार्य है। लेकिन जिस गति से मनेंद्रगढ़ लाख उत्पादन में आगे बढ़ रहा है, भविष्य में यह संभव है कि पूरे छत्तीसगढ़ को बीहन लाख की सप्लाई यहीं से हो। वर्तमान में लाख उत्पादन में झारखंड पहले और छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर है, वहीं छत्तीसगढ़ में मनेंद्रगढ़ जिला इस क्षेत्र में पहले स्थान पर है।

लाख से बढ़ता मुनाफा और आत्मनिर्भर किसान

अगर इसका कॉस्ट- बेनिफिट एनालिसिस किया जाए, तो जितना लाख बीज के रूप में पेड़ों में लगाया जाता है, उसका लगभग 2.5 गुना तक उत्पादन हो जाता है। इसका मतलब है कि किसानों को लगभग डेढ़ गुना का शुद्ध लाभ प्राप्त होता है। कई किसान इस पहल से 30 से 40 हजार रुपये तक की अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं।

सफलता की मिसाल बनी - केस स्टडी

प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति भौता के ग्राम छिपछिपी के कृषक सर्वजीत सिंह ने 2023 के अक्टूबर-नवंबर में 40 किलो बीहन 45 वृक्षों में लगाया, जिसकी लागत 10,000 रुपए थी। 2024 के अक्टूबर-नवंबर में उन्होंने 150 किलो बीहन लाख 37,500 रुपए में बेचा और 2025 के जुलाई में 125 किलो लाख 31,250 रुपये में बेचा। दो साल में उनका कुल नेट प्रॉफिट 58,000 रुपए रहा। इसी प्रकार समिति भौता के ग्राम नारायणपुर के कृषक उदयनारायण ने 2024 के अक्टूबर-नवंबर में 60 किलो बीहन 70 वृक्षों में 15,000 रुपये की लागत से लगाया और 2025 के जुलाई में 150 किलो बीहन लाख 37,500 रुपये में विक्रय किया। एक वर्ष में ही उन्होंने 22,500 रुपए का नेट प्रॉफिट कमाया।

-जनसम्पर्क रायपुर (छत्तीसगढ़ शासन)

अपकमिंग फिल्म 'हक' के प्रमोशन के बीच एयरपोर्ट पर हुई स्पॉट यामी गौतम, पेस्टल ब्लू सूट में अपनी सादगी से जीता सबका दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'हक' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं।

बेल्जियम के पर्यटक धनकुल एथनिक रिजॉर्ट पहुंचे बस्तर की जनजातीय संस्कृति देख हुए अभिभूत

बेल्जियम से आए पर्यटकों के एक दल ने कोंडागांव स्थित धनकुल एथनिक रिजॉर्ट का भ्रमण किया। बस्तर की जनजातीय संस्कृति और जीवनशैली को नजदीक से जानने पहुंचे इन पर्यटकों ने रिजॉर्ट में स्थित ट्राइबल म्यूजियम का अवलोकन भी किया।

आदिवासी कला, परंपराओं और जीवन दर्शन पर आधारित इस रिजॉर्ट की विशिष्ट थीम ने विदेशी मेहमानों को बेहद प्रभावित किया। अतिथियों का पारंपरिक शैली में गुड़हल के फूलों की चाय से स्वागत किया गया। बस्तर के घने जंगलों, हरियाली और जनजातीय संस्कृति को देखकर उन्होंने कहा कि यह अनुभव उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा।

पर्यटकों ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं था कि आज की दुनिया में भी प्रकृति, जनजातीय संस्कृति और पर्यावरण का इतना जीवंत संगम कहीं देखने को मिल सकता है। उन्होंने पूरे बस्तर क्षेत्र को गहराई से एक्सप्लोर करने की इच्छा जताई और बताया कि वे बार-बार यहां लौटना चाहेंगे।

अतिथियों ने स्थानीय प्रशासन, पर्यटन विभाग और राज्य सरकार की सराहना करते हुए उनकी मेहमाननवाजी और व्यवस्था के लिए धन्यवाद प्रकट किया। उन्होंने कहा कि बस्तर न केवल अपनी सुंदरता बल्कि अपनी आत्मा से भी पर्यटकों को जोड़ने की क्षमता रखता है।

प्राचीन भारतीय इतिहास में दंडकारण्य के नाम से चर्चित आज का बस्तर क्षेत्र विलक्षण आदिवासी संस्कृति के लिए पूरी दुनिया में जाना-पहचाना जाता है। आदिवासियों की विभिन्न जनजातियां यहां निवास करती हैं। यहां निवासरत जनजातियों के द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली भौतिक वस्तुओं का संग्रह केन्द्रीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण ने किया है। संपन्न और समृद्ध आदिवासी संस्कृति से संबद्ध भौतिक वस्तुओं को संग्रह कर एक स्थान पर सुरक्षित ढंग से संरक्षित रखने धरमपुरा में मानव विज्ञान संग्रहालय स्थापित है, यह 56 साल पुराना है।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना का रजत जयंती वर्ष

बुला रहा... बस्तर

बस्तर: छत्तीसगढ़ का बस्तर अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए पूरे देश में जाना जाता है। यहां की खूबसूरत जलप्रपातें, नैसर्गिक वन और कांगेर नेशनल पार्क समेत कोटमसर गुफाओं का नजारा देखते ही बनता है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बस्तर के सभी पर्यटन स्थलों को सरकारों ने विकसित करने के साथ ही यहां संसाधन भी बढ़ाये हैं। इतना ही नहीं अब यहां पर्यटक रोमांचक एडवेंचर्स का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

बस्तर का चित्रकोट जलप्रपात

एशिया का नियाग्रा चित्रकोट जलप्रपात:

छत्तीसगढ़ के बस्तर में स्थित चित्रकोट जलप्रपात को छत्तीसगढ़ और एशिया का नियाग्रा कहा जाता है। देश में मिनी नियाग्रा के नाम से मशहूर चित्रकोट जलप्रपात बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा ब्लॉक में स्थित है। करीब 30-40 फिट की चौड़ाई से गिरता यह जलप्रपात बेहद ही खूबसूरत नजर आता है। यहां करीब 90 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरती इंद्रावती नदी की जलधारा पर्यटकों का मन मोह लेती है। मानसून के बादलों और जलप्रपात के नीचे नांव से पर्यटक जब यह नजारा देखते हैं, तो एक पल के लिए उसी दृष्य में खो जाते हैं। तेज गति से गिरते जलप्रपात बूंदे पर्यटकों के चेहरे पर पड़ती है। इस अनुभव को पाने के लिए पर्यटक देश के अलावा विदेशों से भी हजारों की संख्या में चित्रकोट पहुंचते हैं। इस जलप्रपात की लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है कि इस जलप्रपात के नजदीक बॉलीवुड की शूटिंग भी कुछ सालों से शुरू हो गई है।

जलप्रपातों से भरा पूरा है बस्तर

बस्तर जिले के अलग-अलग दिशाओं में कई बड़े बड़े जलप्रपात मौजूद हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। चित्रकोट जलप्रपात और तीरथगढ़ जलप्रपात के अलावा ऐसे कई जलप्रपातें हैं, जो काफी उंची हैं और खूबसूरत भी हैं। जिनमें तामड़ा घूमर जलप्रपात, मेन्द्रीघूमर जलप्रपात, चित्रधारा जलप्रपात, मंडवा जलप्रपात, बिजाकसा जलप्रपात भी शामिल हैं।

चित्रधारा जलप्रपात

तामड़ा घूमर जलप्रपात

तीरथगढ़ जलप्रपात

बस्तर जिले के कांगेर वैली नेशनल पार्क में बस्तर जिले का दूसरा बड़ा तीरथगढ़ जलप्रपात है। इस जलप्रपात को बस्तर की जान भी कहा जाता है। इस जलप्रपात में मुनगा बहार नदी का पानी गिरता है। यह जलप्रपात 3 स्टेप में होकर नीचे गिरता है। इस जलप्रपात की ऊंचाई 100 फिट से भी अधिक है। इसे करीब से देखने के लिए पर्यटकों को करीब 300-400 सीढ़ी नीचे उतरना पड़ता है। जिसके बाद लोग इसकी सुंदरता का पूरा आनंद लेते हैं। इस जलप्रपात को देखने के लिए हजारों लोग हर साल बस्तर पहुंचते हैं।

कोटमसर गुफ़ा

कांगेर वैली नेशनल पार्क में ही विशालकाय गुफा भी मौजूद है। जिसे कोटमसर गुफा कहा जाता है। जो काफी बड़ी है। 50 फिट के करीब चौड़ी है। गुफा के अंदर अलग-अलग प्रकार की आकृतियां बनी हुई है। गुफा के अंदर अंधी मछली भी पाई जाती है। संगमरमर की सी स्टोन भी पानी की बूंदे गिरने के कारण बनी हुई है। जो काफी चमकीला है। इसके अलावा कांगेर वैली में दंडक गुफ़ा, कैलाश गुफा, हरि गुफा, मादरकोंटा गुफा मौजूद है। इन स्थानों पर पर्यटकों के सुविधा के लिए होम स्टे भी ग्रामीणों के द्वारा संचालित किया जाता है। पर्यटक यहां कयाकिंग का भी लुफ्त उठाते हैं। हालांकि सुरक्षा के लिहाज से इन गुफाओं को अक्टूबर के अंतिम सप्ताह तक बंद करके रखा जाता है। क्योंकि बारिश के कारण गुफाओं में पानी भर जाता है।

दलपत सागर का है जुदा अंदाज

जगदलपुर शहर में दलपत सागर भी बेहद प्रसिद्ध है। यह धरोहर करीब 400 हेक्टेयर में फैला हुआ है, जिसे रियासत काल में बस्तर के राजा दलपतदेव ने बनवाया था। इसकी खूबसूरती देखते ही बनती है. दलपत सागर के बीच में जिला प्रशासन ने आइलैंड का भी निर्माण कराया है, जो काफी खूबसूरत है। यहां पर्यटकों के साथ ही स्थानीय नागरिक रोजाना सुबह शाम अपना समय बिताते हैं। रात्रि के समय लाइटिंग की वजह से यह धरोहर और भी खूबरसूरत हो जाता है। हर साल इस धरोहर के नजदीक दीपोत्सव मनाया जाता है। साल 2022 में इस धरोहर के किनारे शहरवासियों ने करीब 1 लाख दिए जलाए थे, जिसके चलते गिनीज बुक में इसका नाम दर्ज हुआ था।

मिचनार हिल्स स्टेशन की खूबसूरती

जलप्रपातें, गुफाएं और दलपत सागर के अलावा जगदलपुर में बेहद ही खूबसूरत हिल्स स्टेशन भी मौजूद है। जिसे मिचनार हिल्स स्टेशन भी कहा जाता है। मिचनार गांव में मौजूद होने के कारण इसका नाम मिचनार हिल्स स्टेशन पड़ा। यह लोहंडीगुड़ा और तोकापाल ब्लॉक के बॉर्डर में मौजूद मौजूद है। इसकी ऊंचाई करीब 100 फिट है। पर्यटकों को 100 फिट ऊंची पहाड़ पर पहुंच ने के लिए पैदल खड़ी चढ़ाई कर ना पड़ता है। ऊपर चढ़ते ही वो खूबसूरत दृश्य पर्यटकों के सामने होता है, जिसकी खूबसूरती पर्यटकों का मंत्रमुग्ध कर देती है। यह हिल्स स्टेशन आपको ऊंटी और बड़े बड़े हिल्स स्टेशनों की अनुभूति कराता है। इसे देखने के लिए भी हजारों लोग यहां पहुंचते हैं।

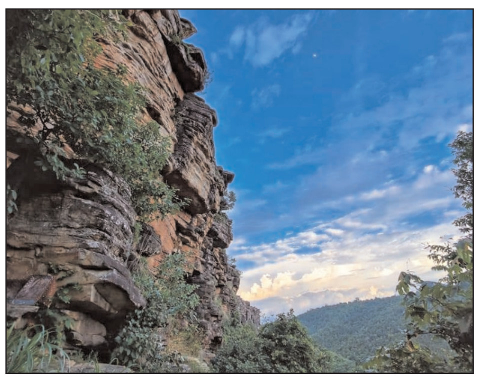

सिरपुर : संस्कृति, इतिहास और अध्यात्म का संगम जहां इतिहास बोलता है, संस्कृति मुस्कुराती है और अध्यात्म सांस लेता है

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में स्थित सिरपुर (श्रीपुर) केवल एक पुरातात्त्विक स्थल ही नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों का जीवंत प्रतीक है। यह नगर महान सम्राट महाशिवगुप्त बालार्जुन की राजधानी रहा है और अपनी स्थापत्य कला, बौद्ध धरोहरों तथा प्राचीन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। सिरपुर का उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रंथों और अभिलेखों में मिलता है। यहां भगवान शिव, विष्णु, बुद्ध और जैन धर्म के उपासना स्थलों के अवशेष मिले हैं। 7वीं शताब्दी में चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी सिरपुर का उल्लेख अपनी यात्राओं में किया है, जिससे इसकी अंर्तराष्ट्रीय ख्याति सिद्ध होती है।

वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध - छत्तीसगढ़ का आदर्श मॉडल

बुजुर्ग : संस्कृति, अनुभव और मूल्यों के स्तंभ

विशेष लेख:डॉ. दानेश्वरी संभाकर, उप संचालक जनसंपर्क

भारतीय संस्कृति के केंद्र में हमारे बुजुर्ग हैं - जिनके अनुभव समाज को दिशा देते हैं और जिनकी स्मृतियाँ हमारी सभ्यता की नींव हैं, लेकिन बदलते सामाजिक परिदृश्य में पारिवारिक संरचना और सामाजिक दायरे सिमटने लगे हैं। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सहभागिता और गरिमामय जीवन सुनिश्चित करना शासन की प्राथमिकता बन जाता है। इसी भावना को साकार करती है - छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशील नीतियाँ और सशक्त क्रियान्वयन।

बुजुर्ग - संस्कृति, अनुभव और मूल्यों के स्तंभ

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वरिष्ठजनों के सम्मान को शासन प्रणाली में प्रमुख स्थान दिया है। उनका मानना है माता-पिता की पूजा ही ईश्वर की पूजा है। इसी सोच के साथ राज्य में ऐसे प्रकल्पों का विस्तार हो रहा है जो बुजुर्गों के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाते हैं। एक अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग में पीपीपी मॉडल के तहत आधुनिक वृद्धाश्रम स्थापित करने तथा असहाय बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए रायपुर में उपकरण सर्विस सेंटर खोलने की घोषणा की। इसी के साथ राज्य में सियान गुड़ी जैसे सामाजिक-आध्यात्मिक केंद्रों का विस्तार बुजुर्गों को मानसिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सहारा प्रदान कर रहा है।

छत्तीसगढ़ की समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने वृद्धजन केंद्रित कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उनका कहना है संवेदनशील शासन का अर्थ है - हर बुजुर्ग तक सेवा और सुरक्षा पहुँचाना।

राज्य में 35 वृद्धाश्रम सक्रिय रूप से संचालित हैं, जहाँ लगभग 1049 वरिष्ठ नागरिक भोजन, आवास, स्वास्थ्य, परामर्श और मनोरंजन की सुविधाएँ प्राप्त कर रहे हैं। गंभीर रोगों या असहाय

स्थिति में रह रहे बुजुर्गों के लिए रायपुर, दुर्ग, कबीरधाम, रायगढ़, बालोद और बेमेतरा इन 6 जिलों में प्रशासक देखभाल गृह संचालित किए जा रहे हैं, जहाँ 128 वरिष्ठजनों को निःशुल्क उपचार, दवाइयाँ और नियमित स्वास्थ्य देखभाल मिल रहा है। वरिष्ठजनों की समस्याओं के निवारण हेतु स्थापित हेल्पलाइन सेवा द्वारा अब तक 2 लाख 70 हजार से अधिक प्रकरणों का समाधान किया जा चुका है। यह सेवा न केवल उनकी पहुँच बढ़ाती है, बल्कि आत्मविश्वास और सुरक्षा बोध भी जगाती है।

वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम - 2007 का राज्य में सख्ती से पालन किया जा रहा है। अनुविभाग स्तर पर - भरण-पोषण अधिकरण, जिला स्तर पर - अपीलीय अधिकरण इन व्यवस्थाओं ने बुजुर्गों को संपत्ति, सुरक्षा और भरण-पोषण से जुड़े मामलों में त्वरित न्याय दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को नियमित पेंशन सहायता प्रदान की जा रही है 60 से 79 वर्ष तक की आयु के बुजुर्गों को 500 रुपए प्रति माह और 80 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठजनों को 650 रुपए प्रति माह सहायता राशि दी जा रही है। वर्तमान में 14 लाख से अधिक बुजुर्ग इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। यह सहायता उनके जीवन में आर्थिक सुरक्षा का आधार बनती है।

राज्य सरकार की योजनाएँ गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा के अधिकार को सुदृढ़ कर रही हैं। आयुष्मान भारत और शहीद वीर नारायण सिंह स्वास्थ्य सहायता योजनाओं के तहत 8 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क उपचार मिला है। साथ ही वरिष्ठ नागरिक सहायक उपकरण प्रदाय योजना के अंतर्गत 50 हजार से अधिक बुजुर्गों को व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, छड़ी, चश्मा जैसे उपकरण प्रदान किए गए हैं।

आध्यात्मिक संतोष बुजुर्गों के मानसिक स्वास्थ्य का आधार है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना और श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से 2.5 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिक, 278 व्यक्ति तीर्थयात्राओं का लाभ ले चुके हैं। यात्रा के दौरान भोजन, आवास और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। प्रत्येक वर्ष एक अक्टूबर वृद्धजन दिवस राज्य और जिला स्तर पर मनाया जाता है। इन कार्यक्रमों से समाज में बुजुर्गों के प्रति सम्मान, संवेदना और सहयोग की भावना को प्रोत्साहन मिलता है। वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान केवल एक सामाजिक मूल्य नहीं, बल्कि एक कर्तव्य है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने यह सिद्ध किया है कि संवेदनशील शासन, सुचारु क्रियान्वयन और मानवीय दृष्टिकोण मिलकर बुजुर्गों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकते हैं।

कोरबा गौठान में मवेशी तड़प रहे

समिति नाराज : नगर निगम संचालित आश्रय स्थल पर अव्यवस्था, कई बीमार, चारा-पानी की व्यवस्था पर्याप्त नहीं

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा में नगर निगम की ओर से संचालित पशु आश्रय स्थल का जिला गौ सेवा समिति ने औचक निरीक्षण किया। समिति के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विनय सिंह राठिया, सदस्य विजय अग्रवाल, देवी गोपाल और अन्य अध्यक्ष समूहों ने अव्यवस्थाएं देखकर नाराजगी व्यक्त की।

गोकुल नगर स्थित इस आश्रय स्थल में 150 से अधिक गोवंश रखे गए हैं। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि चारा-पानी की व्यवस्था अपर्याप्त है। प्रति गोवंश को प्रतिदिन एक किलो से भी कम चारा दिया जा रहा था। इतनी बड़ी संख्या में पशुओं की देखभाल के लिए मौके पर केवल एक कर्मचारी मौजूद था।

दो-तीन गोवंश मरणासन्न अवस्था में पाए गए, जिनकी देखभाल के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। जब समिति सदस्यों ने संचालनकर्ता से फोन पर संपर्क किया, तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। समिति ने इसे पशु क्रूरता अधिनियम का खुला उल्लंघन बताया।

जांच के बाद भी सुधार नहीं

आश्रय स्थल में पशुओं के आने-जाने का रजिस्टर भी व्यवस्थित नहीं पाया गया। समिति को जानकारी मिली कि इससे पहले भी यहां कई मवेशियों की मौत हो चुकी है। पशु चिकित्सा विभाग की ओर जांच के बावजूद, स्थिति में सुधार नहीं हुआ है और कई मवेशी अभी भी बीमार या मरणासन्न अवस्था में हैं।

विसंगतियों को दूर करने की मांग

समिति ने इस स्थिति के लिए संबंधित विभाग और अधिकारियों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। समिति अध्यक्ष और सदस्यों ने निगम आयुक्त और महापौर से मिलकर इन विसंगतियों को दूर करने की मांग की है। गोकुल नगर गौठान में कुल 48 गाय, 28 बैल, 49 बछिया और 77 बछड़ा मौजूद हैं। समिति ने सभी का प्रतिवेदन तैयार कर शिकायत दर्ज कराने की बात कही है।

महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता: 6 कॉलेजों ने लिया भाग, ईवीपीजी कालेज विजेता

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा में परिक्षेत्र स्तरीय महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में किया गया। इसमें जिले के छह महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेंद्र सिंह और क्रीड़ा समिति के सदस्यों ने किया।

मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ आत्मविश्वास और निष्पक्ष खेल भावना को भी बढ़ावा देते हैं। फाइनल मुकाबला शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय और शासकीय ईवीपीजी महाविद्यालय के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने एक-एक सेट जीतकर मैच को रोमांचक बना दिया। अंतिम सेट में शासकीय ईवीपीजी महाविद्यालय ने 15-11 के अंतर से जीत हासिल की। विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रायपुर में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता

क्रीड़ा अधिकारी अनिमा तिर्की ने बताया कि प्रतियोगिता में मिनीमाता गर्ल्स कॉलेज, पी.जी. कॉलेज, शासकीय भैसमा कॉलेज, शासकीय बरपाली कॉलेज, शासकीय कटघोरा कॉलेज और शासकीय हरदी बाजार कॉलेज की टीमों ने हिस्सा लिया था। विजेता टीम अब रायपुर में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कोरबा का प्रतिनिधित्व करेगी।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं और खेल जगत में उनकी प्रतिभा को नई पहचान दिलाती हैं।

स्वावलंबन आंदोलन पर उल्लेखनीय कार्य के लिए रामफल पटेल सम्मानित

कोरबा/पाली/बिलासपुर (दिव्य आकाश)।

5 नवम्बर को गायत्री परिवार के प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ स्वावलंबन आंदोलन की विशाल कार्यशाला का आयोजन बिलासपुर में किया गया। कार्यशाला में बिलासपुर संभाग के उन सदस्यों का सम्मान किया गया, जो क्षेत्र में नवाचार एवं स्टार्टअप के माध्यम से आम जनता को आत्मनिर्भर बना रहा है।

नवाचार के माध्यम से किसान मुनागाडीह(पाली) निवासी रामफल पटेल ने क्षेत्र में खेती-किसानी में नवाचार के माध्यम से किसानों एवं सीमांत किसानों को हर्बल खेती के प्रति रुझान पैदा कर रहे हैं और धान के अलावा साग-सब्जी, दलहन, तिलहन खेती के प्रति जागरूकता फैला कर आत्म निर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री के हाथों प्रगतिशील किसान का कई बार मिला अवार्ड

जिले में पाली निवासी रामफल पटेल वह नाम है, जो मध्यमवर्गीय किसान होने के बाद भी लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य कर रहे हैं। श्री पटेल ने अब तक 500 से अधिक किसानों को जोड़कर हर्बल खेती की ओर रुझान पैदा की और रासायनिक जहर से लोगों को बचा रहे हैं। हर्बल खेती की उनकी यह यात्रा लगातार हर वर्ष आगे बढ़ रही है। नवाचार के कारण उन्हें तात्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं प्रदेश के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने श्री पटेल को प्रगतिशील किसान का अवार्ड देकर प्रदेश की राजधानी में सम्मानित किया। प्रदेश सरकार की मुखपृष्ठ जनमन में रामफल पटेल की सफलता की कहानी भी प्रकाशित हुई थी।

कोरबा ने पेश की कृषि की ताकत

11 अक्टूबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली में विशाल किसान सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें देश भर के किसान हजारों की संख्या में शामिल हुए। कोरबा जिले से रामफल पटेल का चयन हुआ और वे प्रधानमंत्री के किसान सम्मेलन में भाग लिया।

आकांक्षी जिला कोरबा ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी कृषि की ताकत दिखाई और कोरबा भी राष्ट्रीय मंच पर शामिल हुआ। किसान रामफल पटेल ने कोरबा का प्रतिनिधित्व किया और कोरबा कृषि की ताकत राजधानी दिल्ली में दिखाई। प्रदेश से इस सम्मेलन में कोरबा के अलावा जशपुर और दंतेवाड़ा भी शामिल हुआ। प्रदेश से तीन किसान प्रधानमंत्री की मौजूदगी में नवाचार का प्रदर्शन किया। रामफल पटेल ने कृषि में नवाचार का उल्लेख भी किया। कृषि उपसंचालक कोरबा देवेन्द्र कुमार कंवर, कृषि विज्ञान केन्द्र सुतर्रा कटघोरा के कृषि वैज्ञानिक डॉ. तंवर भी रामफल पटेल के साथ प्रधानमंत्री धन धान्य योजना एवं दलहन आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम में शामिल हुए।

नई तकनीकों ने बदली खेती की तस्वीर

रामफल पटेल जिले का वह किसान हैं, जिन्होंने नई तकनीकों से खेती की तस्वीर ही बदल दी। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि पाली हाउस, समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल, हाइड्रोपोनिक और एक्सपोनिक्स जैसी मिट्टी बिहीन आधुनिक तकनीकों ने खेती की दिशा ही बदल दी। उन्होंने बताया कि अब किसान न केवल पारंपरिक फसलों पर निर्भर हैं, बल्कि उद्यानिकी जैसी नई परंपरा से किसान आत्म निर्भर और खुशहाली की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को मिट्टी की महक समझाने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री के किसान सम्मेलन में शामिल होने वाले कोरबा जिले के एक मात्र किसान हैं रामफल पटेल

अपने नवाचार के माध्यम से हर्बल खेती की ओर रुझान पैदा करने वाले रामफल पटेल कोरबा जिले के एक मात्र किसान हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशाल किसान सम्मेलन दिल्ली में शामिल हुए थे और प्रधानमंत्री ने उनसे सीधी बात भी की। कोरबा के लिए यह गर्व की बात है कि रामफल पटेल एक आम किसान हैं, लेकिन उनकी कृतित्व ने उनकी पहचान कोरबा से लेकर रायपुर और दिल्ली तक बनाई।

कोरबा की उपलब्धियां राष्ट्रीय मंच पर

प्रगतिशील किसान रामफल पटेल जिले में वह नाम हो गए हैं, जिन्होंने अपने नवाचार और कड़ी मेहनत से किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर रुझान पैदा किया। किसान उत्पादन संगठन बनाकर उन्होंने पाली क्षेत्र के दर्जनों गांवों के 500 से अधिक किसानों को जोड़ा और उन्हें हर्बल धान बीज उपलब्ध कराया और सैकड़ों एकड़ भूमि में हर्बल खेती करा रहे हैं। रामफ पटेल की मेहनत ने कोरबा जिले की कृषि ताकत को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया। रामफल पटेल ने कहा कि किसानों को आधुनिक खेती के लिए समान अवसर और प्रशिक्षण की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में अधिकारियों की लापरवाही से किसानों को पर्याप्त सरकारी लाभ नहीं मिल पाता और योजनाएं कागजों में भी सिमट कर रह जाती हैं। किसानों को जागरूक करने की जरूरत है, ताकि वे रासायनिक खेती से बच सकें और स्वस्थ छत्तीसगढ़ बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाएं। खेती वह हथियार है जिससे हर्बल अन्न खाकर लोग धीमे जहर से बच सकते हैं और शरीर स्वस्थ एवं दीर्घायु बन सकता है। बीमारियों पर नियंत्रण रखा जा सकता है और स्वस्थ छत्तीसगढ़ की परिकल्पना साकार हो सकती है।

रामफल पटेल ने कहा कि जिले की भागीदारी से यह संदेश जाता है कि आकांक्षी जिला कोरबा में प्रधानमंत्री द्वारा 11 अक्टूबर को 42 हजार करोड़ की नई धन धान्य योजना से कोरबा जिले में खेतीखार को नई दिशा मिलेगी, क्योंकि इस योजना में आकांक्षी जिला कोरबा भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारियों का पर्याप्त मार्ग दर्शन किसानों को मिलेगा और प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना का सफल क्रियान्वयन होगा तो किसानों की आय बढ़ेगी और खेती के प्रति रुझान भी बढ़ेगा।

कोरबा जिले में सड़क की दुर्गति: कांग्रेस ने किया उग्र प्रदर्शन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा की बदहाल सड़कों को लेकर जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष नत्थुलाल यादव के नेतृत्व में जिला कांग्रेस द्वारा गौमाता चौक सीतामणी में उग्र धरना प्रदर्शन किया और सरकार को घेरा।

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष नत्थुलाल यादव ने कहा कि खस्ताहाल सड़कों के लिए कोरबा के जनप्रतिनिधि जिम्मेदार हैं। कोरबा शहर सहित शहर को जोड़ने वाली लगभग सभी प्रमुख मार्ग की सड़कें बदहाल और जर्जर अवस्था में हैं। इन बदहाल और दम तोड़ चुकी सड़कों के मरम्मत और नवीन निर्माण के लिए अभी भी जनप्रतिनिधि ने सुध नहीं लिया, जबकि शहर की सड़कों को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी निगम प्रशासन की है। यादव ने कहा कि कोरबा जिले की सड़कों की हालत अत्यंत ही जर्जर हाल में है। खासकर गोपालपुर से कटघोरा, सीतामणी से उरगा, चाम्पा के पास, सर्वमंगला से कुसमुण्डा की सड़कों की हालत बेहद खराब है। नगर निगम क्षेत्र की भी अनेकों मार्ग की सड़कों की जर्जर स्थिति और बड़े - बड़े गड्ढे होने की वजह से राहगीरों को आवागमन में अनेकों दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ।

पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद ने कोरबा शहर सहित कोरबा जिलों की अनेकों मार्ग की खस्ताहाल सड़कों के लिए जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि कोरबा की सबसे बड़ी समस्या कोरबा की खराब सड़कें, रेलवे फाटक और ट्रैफिक जाम होना है । श्री प्रसाद ने कहा कि सीएसईबी चौक पर वायशेप ओव्हरब्रिज बनाने के लिए पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने विधायक रहते हुए सबसे पहले विधानसभा में आवाज उठाई थी, जिसे बनाने के लिए सीएसईबी ने लगभग 10 करोड़ दिए भी थे, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी वायशेप ओव्हरब्रिज बनाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी । इसी प्रकार सुनालिया रेल्वे क्रासिंग पर अंडर ब्रिज निर्माण की प्रक्रिया वर्षों से लंबित है, जो आगे बढ़ नहीं पा रही है। कोरबा की सबसे बड़ी समस्या यहीं पर ट्रैफिक जाम के कारण होती है । प्रदेश कांग्रेस सचिव बी एन सिंह ने कहा कि सड़कों की मरम्मत की जरूरत के साथ - साथ टी पी नगर रेल्वे क्रासिंग और शारदा विहार रेल्वे क्रासिंग में भी अंडर ब्रिज निर्माण की अत्यंत आवश्यकता है, लेकिन जनप्रतिनिधि सो रहे हैं ।

कार्यक्रम को पूर्व सभापति श्याम सुंदर सोनी, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र जायसवाल, प्रदेश कांग्रेस सचिव विकास सिंह, नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू, सांसद प्रतिनिधि सुरेश सहगल, पूर्व पार्षद मनीष शर्मा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष राकेश पंकज, कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष गजानंद साहू, ब्लॉक अध्यक्ष दुष्यंत शर्मा, बसंत चंद्रा, संतोष राठौर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुसुम द्विवेदी, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ अध्यक्ष नारायण कुर्रे, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मुकेश राठौर, राजेन्द्र सिंह राठौर, मनीषा अग्रवाल, सेवादल प्रमुख प्रदीप पुरायणे, पार्षद रवि चंदेल, बद्रीकिरण, अयोध्या मस्तुल सिंह कंवर, उप नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोपाल कुर्रे, प्रेमलता अविनाश बंजारे, एफ डी मानिकपुरी, पूर्व पार्षद पालुराम साहू, प्रदीप जायसवाल, मनकराम साहू, अश्वनी पटेल, जवाहर निर्मलकर, रमेश वर्मा, रवि खुंटे, गिरधारी बरेठ, महेन्द्र थवाईत, हसन अमन आदि ने संबोधित किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ए डी जोशी, डॉ. डी आर नेताम, कुंजबिहारी साहू, लखन लाल सहीस, शशि अग्रवाल, लक्ष्मी महंत, हिमांशु साहू, धनंजय चंद्रा, ममता अग्रवाल, अजीत बर्मन, सुनील निर्मलकर, बाबिल गिरी, राजेश श्रीवास, टेकराम श्रीवास, झलकुंवर ठाकुर, इकबाल कुरैशी, मुस्लिम खान, समसुद्दीन, निजामुद्दीन, हमीदुद्दीन, संगीता श्रीवास, शहजाद खान, पंचराम निराला, विजय आदिले, विजय आनंद, राकेश देवांगन, प्रेमलता साहू, अनिल सिंह, गणेश दास महंत, सत्य प्रकाश साहू, सेतराम कुंभकार, श्रवण विश्वकर्मा, लखन कठौतिया, संजय यादव, विक्रम कुमार, पवन यादव, नरेश राठौर, मनहरण यादव, अमित पन्ना, हेमंत चंद्रा, रवि टोप्पो, अजित पन्ना, अमर पटेल, उमा बिंद, नवराज बहादुर, मनीष नायडू, पोषण वर्मा, गोपाल दास, कुलदीप मुण्डा, कमल किशोर चंद्रा, योगेश महंत, रामकुमार माथुर, पवन विश्वकर्मा, विजय डहरिया, भीमलाल भैना, राजेन्द्र श्रीवास, आदित्य दास, सत्यम सिंह, गोलु राठौर, अमित चंदन, दीपक श्रीवास, किरण साहू, सविता चौहान, मानशी महंत, कुसुम बाई, संतोष गौड़, कौशिल्या श्रीवास, पुनी बाई विश्वकर्मा, रुकमणी, सावित्री खुंटे, रामायण बाई, निरादेवी आदि अनेकों कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन संतोष राठौर ने किया एवं अंत में आभार व्यक्त नारायण कुर्रे ने किया।

न्याय किसी वर्ग का विशेषाधिकार नहीं बल्कि हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है -प्रधान जिला न्यायाधीश एस. शर्मा

कोरबा (दिव्य आकाश)।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के तत्वाधान, छग राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देश एवं प्रधान जिला न्यायाधीश /अध्यक्ष संतोष शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के मार्गदर्शन के अनुसार 09 नवम्बर 2025 को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर न्याय जागरूकता विधिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गयी।

उपरोक्त कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष संतोष शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा, जयदीप गर्ग, विशेष न्यायाधीश एस.सी./ एस.टी. कोरबा, गरिमा शर्मा, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कोरबा, डॉ. ममता भेजवानी, अपर सत्र न्यायाधीश एफ.टी.एस.सी. (पॉक्सो) कोरबा, सोनी तिवारी, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कोरबा, सुश्री त्राशी राधव तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी कोरबा, सुश्री ग्रेसी सिंह प्रथम अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी कोरबा, डॉ. किरण, प्राचार्य ज्योति भूषण प्रताप सिंह लॉ कॉलेज कोरबा की गरीमामयी उपस्थिति में विधिक सेवा दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश ने विधिक सेवा दिवस कार्यक्रम का उद्देश्य बताते हुए आमजन को कानूनी अधिकारों की जानकारी देना, न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करना, नि:शुल्क विधिक सहायता योजनाओं के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। उपरोक्त कार्यक्रम में अध्यक्ष/प्रधान जिला न्यायाधीश के द्वारा अपने उदबोधन में विधिक सेवा का शाब्दिक अर्थ बताते हुए प्राचीन काल से कानून से संबंधित ज्ञान को सेवा के साथ न्यायिक प्रक्रिया मुगल काल, मगद काल के जमाने में त्वरित निर्णय प्रदान कर फैसला दिया जाता था, जिसमें सुनवाई का अवसर नहीं मिल पाता था, ऐसे में न्याय की पूर्ति नहीं हो पाती थी। कानूनों में सनै: सनै: विकास हुआ, यह व्यवस्था बदलती गयी, जब हमारा देश आजाद हुआ, तब स्वतन्त्र न्यायिक व्यवस्था की स्थापना हुई। उसके अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय, सभी राज्यों में उच्च न्यायालय, जिला न्यायालय एवं व्यवहार न्यायालय की स्थापना के बाद भी एक आवश्यकता महसूस की जाती रही। जिसके अंतर्गत यह देखा गया कि जो निर्बल पक्ष या गरीब पक्ष अपना उचित प्रकार से न्यायालय में पक्ष प्रस्तुत नहीं कर पा रहा है। इसलिए जो न्याय प्रदान करने की प्रक्रिया थी, सर्वोच्च न्यायालय ने पीड़ित पक्ष को जो खर्च वहन करने में सक्षम नहीं था, संविधान में व्यवस्थाओं में संशोधन कर विधिक सेवा प्राधिकरणों का वर्णन है, जो संविधान एवं उद्देशिका में भी निहित है।

विशिष्ट अतिथि उद्बोधन में लॉ कॉलेज की प्रचार्य डॉ. किरण चौहान ने विधिक सेवा दिवस मनाने की आवश्यकता को बताते हुए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए विस्तार से बताया एवं इसकी आवश्यकताओं पर बल देते हुए निरंतर कानूनी विकास में मददगार बताया।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुए विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के तहत न्याय के अधिकार को व्यवहारिक रूप देने के लिए विधिक सेवा दिवस का असली मकसद समाज की अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि लोग अदालतें, नि:शुल्क विधिक सहायता और विधिक साक्षरता अभियान समाज में न्याय की सुलभता सुनिश्चित करते हैं। कानूनी सहायता सबके लिए हर समय थीम पर आधारित लोगो में कानून के प्रति लोगों में गहरी रूची जगायी।

उपरोक्त कार्यक्रम में लीगल एड डिफेंस कॉंसिल कोरबा के अधिवक्तागण, विधि कॉलेज के विद्यार्थी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के समस्त कर्मचारीगण एवं पैरालिगल वॉलेण्टियर्स उपस्थित रहे।

संस्कारम् कार्यशाला : बच्चों में धार्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों के विकास की पहल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय संस्कृति के संवर्धन एवं संरक्षण के उद्देश्य से 'संस्कारम्' (संस्कार, सेवा और शिक्षा) समिति द्वारा रविवार को श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, दर्री रोड कोरबा में साप्ताहिक कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दिलीप त्रिपाठी के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने बच्चों को भारतीय संस्कृति की महान परंपराओं से अवगत कराते हुए वेद, पुराण, गीता, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। साथ ही महापुरुषों के जीवन प्रसंगों, नीति श्लोकों तथा राष्ट्रप्रेम की भावना से प्रेरित होने का संदेश दिया।

कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों में धार्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का विकास करना है, जिससे वे अपनी जड़ों और सनातन संस्कृति को पहचान सकें।

समिति की संरक्षक एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती चित्रलेखा चंदेल के कुशल नेतृत्व में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। श्रीमती चंदेल पिछले 45 वर्षों से देश के विभिन्न हिस्सों में समाजसेवा में सक्रिय हैं।

कार्यक्रम के सफल संचालन में समिति की सदस्यों श्रीमती आकांक्षा चंदेल, नेहा अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, प्रियंका जायसवाल एवं दीपिका पुजारी का विशेष योगदान रहा। यह साप्ताहिक कार्यशाला अब प्रति रविवार श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में आयोजित की जाएगी। आयोजन समिति ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से इस कार्यशाला में भेजकर उन्हें संस्कार और संस्कृति से जोड़ें।

श्रीराम-फाइनेंस के 3 कर्मचारियों ने 1.30 करोड़ का किया फ्रॉड

रायगढ़ (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में श्रीराम फाइनेंस कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में 1 करोड़ 30 लाख 50 हजार रुपए की धोखाधड़ी की गई है। कंपनी के 3 कर्मचारियों ने अपने एजेंटों के साथ मिलकर घरघोड़ा शाखा से 26 फर्जी ग्राहकों को बिजनेस लोन दिलाया, फिर पैसे हड़प लिए।

वारदात सामने आने पर कंपनी के लीगल मैनेजर ने घरघोड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। घरघोड़ा शाखा के कर्मचारियों वीरेंद्र प्रताप पुरसेठ (30), खेमराज गुप्ता (37) और सुधीर निषाद (31) ने साल 2017 से 2019 के बीच फर्जीवाड़ा किया।

श्रीराम फाइनेंस कंपनी के लीगल डिपार्टमेंट मैनेजर राकेश तिवारी ने बताया कि इन तीनों ने कंपनी के 26 ग्राहकों को व्यापार लोन दिलाने के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार किए। इसके बाद 1.30 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का गबन किया।

कैसे हुआ लोन फ्रॉड?

दरअसल, वीरेंद्र प्रताप पुरसेठ, खेमराज गुप्ता और सुधीर निषाद ने कंपनी से करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की साजिश रची। तीनों ने खुद को व्यवसायी बताया, जिनका कोई व्यवसाय नहीं था। उन्होंने दूसरों की दुकानों की तस्वीरों का इस्तेमाल किया। तस्वीरों को लोन फाइल में शामिल किया।

एजेंटों की मिलीभगत से फर्जी सत्यापन किए गए। बदले में एजेंटों को कमीशन दिया गया, जबकि कई वास्तविक ग्राहकों को पूरी रकम कभी नहीं मिली। जब कंपनी को 2019 में गड़बड़ी के बारे में पता चला, तो संबंधित कर्मचारियों को समझाइश दी गई। पैसे वापस करने को कहा गया। हालांकि, उनमें से किसी ने भी लोन नहीं चुकाया। इसके बाद 15 जनवरी, 2025 को, कानूनी प्रबंधक राकेश तिवारी को औपचारिक जांच करने का काम सौंपा गया। जांच दल (जिसमें विकास वर्मा, प्रवीण सोनी और सौरभ कलार शामिल थे) ने सभी ग्राहकों से पूछताछ की। पाया कि पूरा मामला धोखाधड़ी का था। ग्राहकों ने कभी लोन नहीं लिया। जांच में जिन एजेंटों की संलिप्तता पाई गई, उनमें राजकुमार साहू, मदनसुंदर साहू, खेमराज पटेल, नीलाम्बर यादव, नीलांचल गुप्ता, संजय गुप्ता और रामकुमार पोर्ते शामिल हैं। सभी पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी दस्तावेजों की व्यवस्था और राशि के बंटवारे में सहयोग किया।कंपनी की रिपोर्ट पर घरघोड़ा पुलिस ने वीरेंद्र प्रताप पुरसेठ, खेमराज गुप्ता, सुधीर निषाद और सातों एजेंटों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

सुपरबाइक चैंपियनशिप...3 बाइकर गिरे:20 फीट हवा में उड़ाई बाइकें,आतिशबाजी -लेजर शो, देश-विदेश के 110 बाइकर्स, इनमें 6 से 15 साल के बच्चे भी

रायपुर (एजेंसी)।

रायपुर के बूढ़ापारा आउटडोर स्टेडियम में सुपरबाइक चैंपियनशिप का फाइनल राउंड चल रहा है। देश-विदेश के 110 बाइकर्स अपनी कला, साहस और रफ्तार का प्रदर्शन कर रहे। फ्री-स्टाइल स्टंट्स के जरिए दर्शकों का रोमांच दोगुना कर रहे। इसमें अधिकतर बाइकर्स हेलमेट नहीं पहने हुए हैं।

राइडर्स अपनी बाइक को 20 फीट तक उड़ाते दिख रहे। 14 कैटेगरीज के रेस में कई राज्यों के 6 से 15 साल के बच्चे आए हैं, जो स्टंट कर रहे। रेस के दौरान 3 बाइकर्स गिर भी गए। छोटे बच्चों के लिए विशेष लाइसेंस जारी किया गया है।

स्टंट के दौरान दर्शक मोबाइल की फ़्लैश लाइट जलाकर बाइकर्स को सपोर्ट करते दिखे। विदेशी बाइकर्स ने हवा में बाइक उड़ाकर हैरतअंगेज कारनामे दिखाए। वहीं, आयोजन स्थल पर जमकर आतिशबाजी की गई। इस चैंपियनशिप के लिए मिनी मोटर ट्रैक में बदला गया है। स्टेडियम के अंदर ऊंचे-ऊंचे मिट्टी के टीले बने हैं। इस आयोजन की सबसे बड़ी खासियत इसकी सुरक्षा है। यह दो दिवसीय प्रतियोगिता सेफ रेसिंग, सेफ राइडिंग थीम पर आधारित है।

बिलासपुर रेल हादसा...आवाज 1 किलोमीटर तक गूंजी:गांव वाले बोले-पहले जोरदार धमाका हुआ, फिर यात्रियों की चीखें सुनाई दी, बोगी के अंदर दबी थीं लाशें

बिलासपुर (एजेंसी)।

शाम करीब 4 बजे अचानक एक तेज धमाके की आवाज सुनाई दी। पहले लगा कि कहीं कोई विस्फोट हुआ है, लेकिन कुछ ही मिनट में गांव के लोग घरों से बाहर निकल आए। लोग इधर-उधर देखने लगे कि आखिर क्या हुआ। तभी गांव के कुछ लड़के दौड़ते हुए आए और हांफते हुए बोले कि दो ट्रेनें आपस में टकरा गई हैं। जब लोग वहां पहुंचे तो यात्री मदद के लिए चिल्ला रहे थे। वहीं, दूसरी बोगी के यात्री अपना सामान लेकर भागते नजर आए। जिस बोगी में हादसा हुआ था, उसमें खून से लथपथ लाशें दबी पड़ी थी।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हुए रेल हादसे के बाद न केवल रेलवे ट्रैक पर, बल्कि आसपास के गांवों में भी डर और सन्नाटा फैल गया। हादसे की आवाज लगभग एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी थी। रेलवे ट्रैक के पास स्थित दोमुहानी, ढेका, लालखदान और आसपास के गांवों के लोग आज भी उस शाम को याद कर डर जाते हैं। दैनिक भास्कर ने गांव और घटना स्थल का दौरा किया और वहां के लोगों से बात की।

गांव के लोगों ने बताया कि शाम 4 बजे ऐसा लगा जैसे किसी ने आसमान से बम गिरा दिया हो। धरती कांपी, खिड़कियों के शीशे हिले और कुछ सेकंड बाद सन्नाटा छा गया। कुछ लोग दोपहर के वक्त गहरी नींद में थे। आवाज सुनकर उनकी नींद उड़ गई।

पहले धमाका हुआ... फिर लोग पटरी की ओर दौड़ पड़े

गांव ढेका के रहने वाले जितेंद्र मौर्य ने बताया कि उस वक्त अपने घर के बाहर बैठे थे। आवाज़ इतनी तेज थी कि पहले तो लगा कहीं कोई ब्लास्ट हुआ है। जब रेलवे ट्रैक पर आए तो यात्रियों में अफरा-तफरी मची थी। जितेंद्र मौर्य बताते हैं कि जिस बोगी में लोग फंसे थे, वहां से उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ घायलों को बाहर निकाला। इस दौरान 5 से 10 घायलों को गोद और कंधे में रखकर बाहर निकाला। इस बीच एम्बुलेंस भी पहुंच गई थी। घायलों को एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए अस्पताल रवाना किया गया। ढेका के रहने वाले सुरेंद्र मौर्य ने बताया कि कुछ ही देर बाद गांव के लड़के भागते हुए आए और बोले कि दो ट्रेनें टकरा गई हैं। सब के होश उड़ गए। सुरेंद्र ने बताया कि वह और कुछ अन्य लोग तुरंत ट्रैक की ओर भागे। जहां पर हादसा हुआ है, वहां से रेलवे ट्रैक तक पहुंचने के लिए रास्ता नहीं था।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एचटीपीएस दर्री के पूर्व छात्र परिषद ने सेवानिवृत्त होने पर प्राचार्य नवल किशोर शुक्ला का किया सम्मान, दी विदाई

विद्यार्थियों की सफलता से अभिभूत हूं, पूर्व छात्रों द्वारा दिया गया सम्मान आजीवन याद रखूंगा - प्राचार्य नवल किशोर

कोरबा/दर्री (दिव्य आकाश)।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एचटीपीएस दर्री के प्राचार्य नवल किशोर शुक्ला ने 37 साल तक विद्यार्थियों को अनुशासन, संस्कार, नैतिकता के साथ शिक्षित कर कई ओहदे तक पहुंचाया और 26 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो गए। यहां के पूर्व छात्र परिषद एवं हसदेव शिक्षण समिति ने सेवानिवृत्त श्री शुक्ला के लिए सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया और जीवन में नए युग के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए ससम्मान विदाई दी।

बतौर मुख्य अतिथि कोरबा के जाने माने समाज सेवक एवं नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा के डायरेक्टर पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि जिस विद्यार्थी में शिक्षा के साथ संस्कार हो, वही सच्चा नागरिक बन सकता है और ऐसे नागरिक ही राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षा के साथ बच्चों को संस्कारवान बनाया जाता है, यह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि 37 साल तक बच्चों को बेहतर नागरिक बनाने का काम प्राचार्य नवल किशोर शुक्ला ने किया है, ऐसे प्राचार्य को हम प्रणाम करते हैं, जिनके शिष्य आज भारत के विभिन्न कोनों में रहकर ऊंचे पद पर कार्यरत हैं और विदेशों में भी अपना जीवन खुशहाल बना रहे हैं।

सेवानिवृत्त प्राचार्य नवल किशोर शुक्ला ने 37 साल के बाद विद्या के इस मंदिर से विदाई के क्षण में करूण हो गए और नेत्रों से अश्रु प्रवाहित होने लगे। जब उन्हें उद्‌बोधन के लिए बुलाया गया तो रूंधे स्वर में कहा कि हम शिक्षकों का कार्य चुनौती भरा रहता है और हम कम वेतन में ही बच्चों को बेहतर भविष्य के लिए अपनी पूरी ऊर्जा और पूरा समय देते हैं, लेकिन हमें इस बात पर गर्व होता है कि हमारे पढ़ाए बच्चे राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं और विदेशों में भी भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्र परिषद के मेरे प्यारे बच्चों एवं विद्यालय प्रबंधन ने मुझे आज जो सम्मान दिया, इन्हीं यादों को लेकर जीवन में आगे का सफर तय करूंगा और इतने दिन तक समयाभाव के परिवार को समय नहीं दे पाया, इस कमी को पूरा करने का प्रयास करूंगा। कार्यक्रम को हसदेव शिक्षण समिति के अध्यक्ष धनंजय सिंह, व्यवस्थापक भीष्मदेव सिंह, कोषाध्यक्ष मेहुल फड़तरे ने भी संभोधित किया। अतिथि के रूप में दर्शन अग्रवाल, पूर्व छात्र परिषद के संयोजक आशीष चौहान, सदस्य आशीष अग्रवाल, नरेन्द्र कौशिक, अखिलेश शर्मा, अरविन्द सिन्हा, सुनीता वैष्णव, इमरान मेमन, दिलीप सिंह राज, प्रशांत साहू, डॉ. जगदीश शिंदे, पंकज यादव, कल्पना गोस्वामी, सुधांशु मिश्रा, चित्रा राठौर, अंकिता सिंह, सुरेंद्र कुमार डनसेना सहित अन्य सदस्यों के अलावा विद्यालय के छात्रगण, अध्यापकगण एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व छात्रा शशि साहू एवं उनके पति घनश्याम साहू ने किया।

बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

दिवंगत शिक्षकों को श्रद्धांजलि

पूर्व छात्र परिषद ने दिवंगत शिक्षकों को विनम्र श्रद्धांजलि दी और पुष्प समर्पण कर दो मिनट की मौन श्रद्धांजलि देकर सभी को नमन किया। दिवंगत शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कई होनहार छात्रों का भविष्य संवारा।

स्मृति चिन्ह से सम्मान

सगे भाई-बहन की लाश कुएं में मिली:मुंह कपड़े से बंधे हुए थे, घर के बाहर खेलने के दौरान हो गए थे गायब, हत्या की आशंका

खैरागढ़ (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले में रविवार को कुएं में भाई-बहन की लाश मिली है। मुंह कपड़े से बंधे हुए थे। पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है। दोनों शवों को कुएं से निकाल लिया गया है। मामला छुईखदान थाना क्षेत्र के ग्राम झुरानदी का है।

मृतकों की पहचान तीन वर्षीय करण वर्मा और उसकी डेढ़ वर्षीय बहन के रूप में हुई है। घर से लगे कुएं में दोनों का शव मिला। इस घटना के बाद माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

कोरबा के युवाओं ने देखी बनारस की विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती... अद्भूत दृश्य से हुए रोमांचित

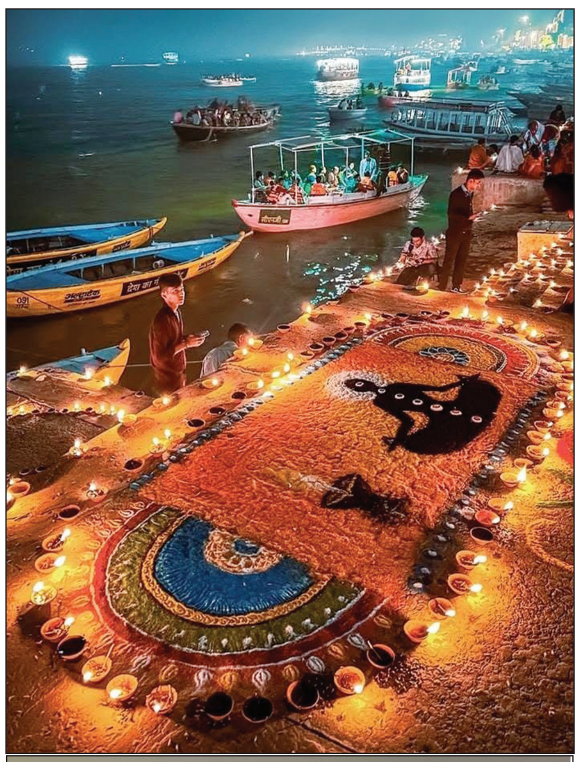

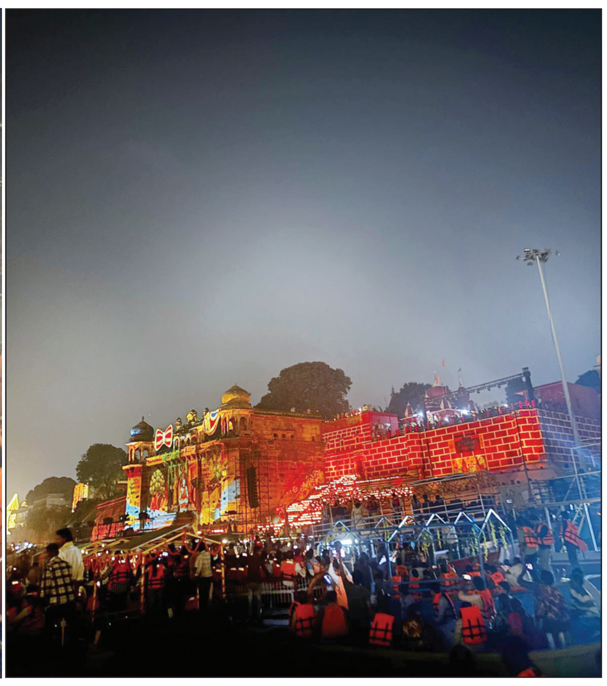

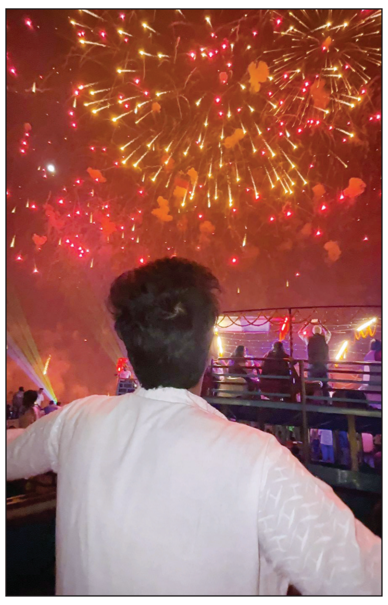

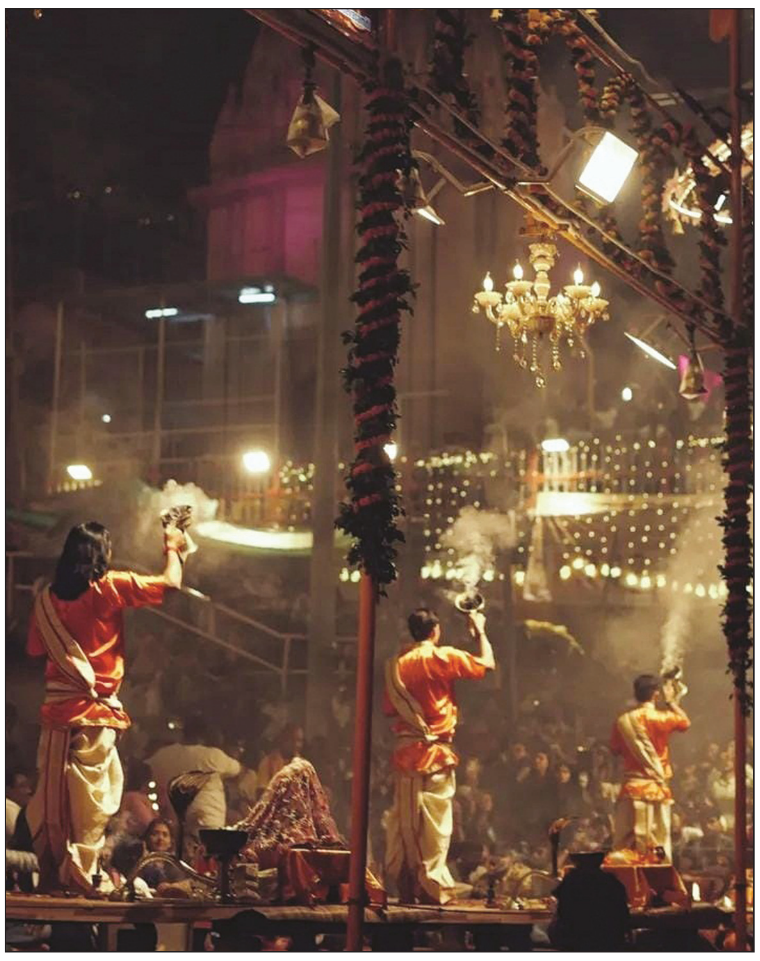

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कार्तिक पूर्णिमा को देशभर में देव दीपावली के रूप में मनाई गई। हरिद्वार, बनारस में इस दिन अद्भूत रूप से गंगा मैय्या के घाट पर गंगा महाआरती का अद्भूत नजारा देखने को मिलता है। कोरबा से भी इस अद्भूत आध्यात्मिक कार्यक्रम को देखने पहुंचते हैं। कोरबा से युवाओं की टोली बनारस पहुंची और कार्तिक पूर्णिमा की गंगा आरती में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित किया, वहीं देर रात स्वर्ग सा नजारा देखकर अभिभूत हुए। गंगा की अविरल धारा में देर रात को नाव भी तैर रहे थे। नव में सवार होकर कोरबा से बनारस गए युवा वर्ग ने प्रथम सोनी, कुणाल राजवाड़े, भावेश, राहुल साहू, यश भट्ठ सहित अन्य दोस्तों ने गंगा घाट पर विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती के अद्भूत नजारे को कैमरे में भी कैद किया।

देशभर से पहुंचे थे श्रद्धालु

गंगा महाआरती के इस अद्भूत नजारे को देखने और धार्मिक यात्रा में देशभर से लाखों श्रद्धालु बनारस पहुंचे थे। गंगाघाट में श्रद्धालुओं का सैलाब देखने को मिला। रात में स्वर्ग की अनुभूति भी मिली।

सीएम योगी सहित दिग्गज नेता भी मौजूद थे

देव दीपावली के इस महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित थे। इनके अलावा कई दिग्गज बतौर अतिथि शामिल हुए। नाव में सवार होकर योगी आदित्यनाथ ने गंगा घाट पर इस अद्भूत नजारे को देखा। कई किलोमीटर तक लाइटिंग की सजावट से ऐसा लग रहा था कि स्वर्ग बनारस में उतर आया है। गंगा की पावन धारा में पुण्य स्नान भी श्रद्धालुओं ने किया।

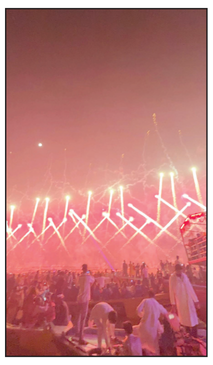

अमरनाथ पाण्डेय का निधन

कोरबा (दिव्य आकाश)। कोरबा के प्रतिष्ठि नागरिक धर्मपरायण अमरनाथ पाण्डेय का रविवार को 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका निधन रविवार दिनांक 09 नवंबर 2025 को प्रात: 9:00 बजे हो गया । स्व. अमरनाथ पाण्डेय न्यू प्रगति ट्रांसपोर्ट सीतामढ़ी के संचालक मोहन पाण्डेय एवं प्रगति गुड्स ट्रांसपोर्ट के संचालक सरोज पाण्डेय के पिता थे। उनका अंतिम संस्कार रविवार अपरान्ह 4:30 बजे मोती सागर पारा मुक्ति धाम में किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में सैकड़ों लोग शामिल हुए।

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?
एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं
LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।
सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)
कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र
प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

सौंपा ज्ञापन: वैकल्पिक रोजगार और बढ़ी हुई मुआवजा राशि की मांग की भू विस्थापितों ने, आंदोलन की चेतावनी भी

कोरबा/गेवरा (दिव्य आकाश)।

पोंड़ी बाम्हनपाठ एवं अमगांव के विस्थापितों ने एसईसीएल गेवरा प्रबंधन को ज्ञापन सौंपकर खदान में होने वाले कामों में वैकल्पिक रोजगार के साथ बढ़ी हुई मुआवजा राशि प्रदान करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन सौंपने में प्रमुख रूप से जनपद सदस्य नेहा राजेंद्र सिंह तंवर के साथ सत्यनारायण सिंह, रामायण सिंह, नारायण दास,समार दास, मनोज राठौर,शुभम राठौर, निर्मल दास, चेतन दास, शिव कुमारी, भरत केंवट, भैया राम ,सूरज कंवर, श्याम लाल एवं भू विस्थापित एकता मंच ग्राम पोड़ी बाम्हनपाठ आमगांव के साथ बड़ी संख्या में भूविस्थापित उपस्थित थे।

ग्राम पोंड़ी के भू विस्थापित मनोज राठौर ने बताया कि नरईबोध,भठोरा,भिलाई बाजार, रलिया, पोंड़ी, बाम्हनपाठ एवं अमगांव का अधिसूचना प्रकाशन धारा 9 सभी ग्रामों का एक समान है। नरईबोध,भठोरा,भिलाई बाजार एवं रलिया के भू विस्थापितों को कंपनी सेक्रेटरी के स्वीकृत मिनट्स 326 वां निदेशक बोर्ड मीटिंग के पत्र क्र. 2310 दिनांक 8.8.2022 के अनुसार बढ़ी हुई मुआवजा राशि का भुगतान किया गया है जबकि पोंड़ी, बाम्हनपाठ एवं अमगांव के भू विस्थापितों को उक्त मिनट्स के अनुसार बढ़ी हुई मुआवजा राशि के भुगतान से वंचित रखा गया है।

भू विस्थापित रामायण सिंह और सत्यनारायण सिंह ने कहा कि एसईसीएल ने हम विस्थापितों से कहा था कि छोटे खातेदार जिनके परिवार को स्थाई रोजगार नहीं मिल रहा है, उन्हें खदान में होने वाले वैकल्पिक कार्यों में रोजगार प्रदान किया जाएगा, लेकिन हमारे गांव के अधिग्रहण के चौदह वर्ष बाद भी प्रबंधन ने रोजगार देने का वादा पूरा नहीं किया है।

पोंड़ी, बाम्हनपाठ एवं अमगांव के भू विस्थापितों ने बड़ी संख्या में गेवरा महाप्रबंधक कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया और प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन लेने के लिए प्रबंधन की ओर से गेवरा एपीएम अजय कुमार बेहरा और धीरज कुमार चौधरी उपस्थित थे। एसईसीएल ने भू विस्थापितों की समस्याओं का जल्द समाधान का आश्वासन दिया है।

जनपद सदस्य नेहा राजेंद्र सिंह तंवर ने कहा कि अब समस्याओं का समाधान किए बगैर खदान विस्तार का काम नहीं होने देंगे। अधिग्रहण के समय प्रबंधन केवल झूठे वादे करता है और खदान विस्तार होते ही भू विस्थापितों को मिलने वाले अधिकार से वंचित कर दिया जाता है, इसलिए पहले समस्याओं का समाधान हो, फिर खदान विस्तार की बात होगी।

मोदी जी का विजन – खेलो इंडिया के तहत रग्बी खेल टूर्नामेंट का पाली खेल स्टेडियम में उद्घाटन

पाली (दिव्य आकाश)।

पाली खेल स्टेडियम में रग्बी खेल टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह के कर-कमल द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया के तहत खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के प्रयासों की सराहना की गई।

टूर्नामेंट के उद्घाटन के अवसर पर डॉ पवन सिंह ने कहा कि इस प्रकार के टूर्नामेंट का आयोजन होते रहना चाहिए, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलता है। नगर पंचायत अध्यक्ष अजय जायसवाल और पाली थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने भी खिलाड़ियों को संबोधित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर पटेल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष लखन प्रजापति, पार्षद सुनील साहू, हरेंद्र सिंह राजपाल सहित नगर के गणमान्य नागरिक, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता तथा रग्बी के खिलाड़ी उपस्थित रहे। पाली क्षेत्र में रग्बी का खेल अपने उच्च स्तर पर है और पाली के कई खिलाड़ी नेशनल स्तर के टूर्नामेंट भी खेल चुके हैं।

|| श्री गणेशम्किाभ्याम नमः || श्री धनवन्तरयै नमः ||
आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र
गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।
सीएसईबी चौक
दु.नं.-7 शिव हर्बल अल्का काम्प्लेक्स
स्टेडियम रोड
ट्रांसपोर्ट नगर चौक
मुड़ापार रोड
पावरहाउस रोड
पतंजलि | श्रीश्री AYURVEDA | बैद्यनाथ | Dabur | SNA | ZANDU

Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16
शराब छुड़ाने की हर्बल दवा
सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता
एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...
शिव हर्बल मेडिकल स्टोर
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com